

संक्षिप्त न्यूज

लिमडी में वर्ली-मटका जुए के अट्टे पर LCB का छपा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोद। दाहोद LCB ने लिमडी के करम्बा रोड स्थित एक मैदान में चल रहे वर्ली-मटका जुए के अट्टे पर छपा मारकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 18,050 रुपये नकद, दो मोबाइल फोन और जुए से जुड़े दस्तावेज जब्त किए। दोनों आरोपियों के खिलाफ गुजरात गैंगबलिंग एक्ट की धारा 12(A) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जसदन हॉस्टल में छात्रा की मौत, लापरवाही के आरोपों की जांच शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जसदन। अल्फा हॉस्टल में एक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद परिवार ने हॉस्टल प्रशासन पर समय पर सूचना नहीं देने और लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना के बाद पुलिस ने हॉस्टल पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज जब्त कर जांच शुरू कर दी है। छात्रा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है, जबकि रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। माता-पिता ने सभी हॉस्टलों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की मांग की है।

अंबाजी-आबू रोड पर कार पर हमला, लूट की कोशिश से दहशत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। अंबाजी-आबू रोड पर देर रात एक इनोवा कार पर अज्ञात बदमाशों द्वारा पत्थर फेंककर लूट का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में कार का शीशा टूट गया, हालांकि परिवार सुरक्षित बचकर निकलने में सफल रहा। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठे हैं और यात्रियों ने रात के समय हाईवे पर पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। यात्रियों को भी देर रात सुनसान मार्गों पर सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

वडोदरा में आज निकलेगी भगवान जगन्नाथ की 45वीं भव्य रथ यात्रा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। आषाढ़ी बीज के अवसर पर गोरी स्थित इस्कॉन मंदिर से भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा की 45वीं भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए 45 टन शुद्ध देशी घी से तैयार शीरा महप्रसाद वितरित किया जाएगा। आयोजन को योगदान को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया। वासवड़ा ने कहा कि काति भट्ट की लेखनी और विचार आज भी पत्रकारिता जगत का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

काति भट्ट की जयंती पर जय वासवड़ा ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वरिष्ठ लेखक जय वासवड़ा ने पत्रकारिता के दिग्गज काति भट्ट की जयंती पर उन्हें याद करते हुए कहा कि उनके बिना गुजराती पत्रकारिता का इतिहास अधूरा है। उन्होंने काति भट्ट की लेखन शैली, वैश्विक दृष्टिकोण और 'अभियान' पत्रिका के योगदान को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया। वासवड़ा ने कहा कि काति भट्ट की लेखनी और विचार आज भी पत्रकारिता जगत का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

बाढ़ प्रभावित सूरतवासियों को बड़ी राहत एक साल तक नगर निगम टैक्स से मिलेगी छूट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। हालिया बाढ़ से प्रभावित नागरिकों और व्यापारियों को राहत देने के लिए प्रशासन ने एक वर्ष तक नगर निगम के विभिन्न टैक्सों में छूट देने का निर्णय लिया है। इस राहत का लाभ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के पात्र नागरिकों को मिलेगा, जिससे प्रॉपर्टी टैक्स, पानी एवं ड्रेनेज शुल्क सहित अन्य देयों में आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। प्रशासन का कहना है कि इस फैसले का उद्देश्य आपदा से प्रभावित परिवारों और कारोबारियों पर वित्तीय बोझ कम करना तथा उन्हें देवबारा सामान्य जीवन और व्यवसाय शुरू करने में सहायता देना है।

गुजरात के नाम एक और सुनहरी कामयाबी राज्य के एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट को नई दिल्ली में प्रतिष्ठित ‘एग्रीकल्चर लीडरशिप अवॉर्ड-2026’ से सम्मानित किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से अवॉर्ड लेते हुए एग्रीकल्चर मिनिस्टर जीतूभाई वघानी ने राज्य का गौरव बढ़ाया: कैबिनेट मीटिंग में मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने एग्रीकल्चर टीम की पीठ थपथपाई। देश का ग्रोथ इंजन माने जाने वाले गुजरात ने एक बार फिर एग्रीकल्चर और हॉर्टिकल्चर सेक्टर में नेशनल लेवल पर धूम मचाई है। राज्य सरकार के एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट द्वारा हॉर्टिकल्चर सेक्टर में किए गए बेहतरीन और शानदार काम की चर्चा पूरे देश में हुई है। नई दिल्ली में आयोजित एक बड़े समारोह में गुजरात को साल 2026 के लिए प्रतिष्ठित ‘एग्रीकल्चर लीडरशिप अवॉर्ड’ से सम्मानित किया गया है, जो पूरे गुजरात के लिए गर्व का पल है। देखें यह खास रिपोर्ट... 17वें



एग्रीकल्चर लीडरशिप कॉन्क्लेव में देश के रक्षा मंत्री ने किया सम्मानित। यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड समारोह नई दिल्ली में आयोजित 17वें एग्रीकल्चर लीडरशिप कॉन्क्लेव में हुआ। जिसमें गुजरात के एग्रीकल्चर मिनिस्टर

जीतूभाई वघानी को भारत के डिफेंस मिनिस्टर राजनाथ सिंह की मेहरबानी से इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सबसे बड़ा सम्मान गुजरात के किसानों को मॉडर्न टेक्नोलॉजी और हॉर्टिकल्चरल फसलों की तरफ जाकर खेती में क्रांति लाने के लिए दिया गया है। दिल्ली से अवॉर्ड लेकर लौटे एग्रीकल्चर मिनिस्टर जीतूभाई वघानी और राज्य मंत्री रमेशभाई कटार्या ने गांधीनगर में हुई कैबिनेट मीटिंग में यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड दिया। मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल, डिप्टी चीफ मिनिस्टर और पूरी कैबिनेट के सामने यह सम्मान दिए जाने पर खुशी की लहर दौड़ गई। मुख्यमंत्री और कैबिनेट ने एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत की तारीफ की और पूरी टीम को बधाई दी।

हॉर्टिकल्चर के क्षेत्र में गुजरात का मॉडल देश में नंबर वन है।

यह अवॉर्ड साबित करता है कि गुजरात सरकार न सिर्फ इंडस्ट्रीज, बल्कि दुनिया की तरक्की के लिए भी उतनी ही कमिटेड है। सरकार की तरफ से बागवानी फसलों, ग्रीनहाउस और खेती के नए तरीकों को बढ़ावा देने की वजह से ही गुजरात का कृषि मॉडल आज देश में सबसे आगे है। अब देखना यह है कि यह नेशनल अवॉर्ड मिलने के बाद आने वाले दिनों में कृषि विभाग राज्य के छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों के लिए क्या नई योजनाएं लाता है और इससे ज़मीनी स्तर पर किसानों की आय दोगुनी करने की कोशिशों को कैसे गति मिलती है।

बंदूक की गोली जितना जानलेवा चांदीपुरा वायरस, अब शहरी बच्चों के लिए बड़ा खतरा

महानगर मेट्रो ब्यूर

गुजरात। मॉनसून की शुरुआत के साथ ही एक अनदेखा काल आ गया है, जिसने मासूम बच्चों की जान लेना शुरू कर दिया है। यह कोई आम बुखार नहीं, बल्कि बेहद जानलेवा ‘चांदीपुरा वायरस’ है, जो बंदूक की गोली की रफ्तार से बच्चे के दिमाग पर हमला करता है। अब तक इस वायरस को सिर्फ ग्रामीण इलाकों तक ही सीमित माना जाता था, लेकिन इस बार चांदीपुरा वायरस ने अपना पैटर्न बदल लिया है और अब यह शहरी इलाकों में भी बच्चों को अपना शिकार बना रहा है। राज्य में अब तक इस भयानक वायरस से 12 से ज्यादा बच्चों की मौत हो चुकी है, जिससे पूरे हेल्थ सिस्टम और अभिभावकों में चिंता का माहौल है। आखिर यह वायरस क्या है? यह इतना तेज क्यों है?



और इससे बच्चों को कैसे बचाया जा सकता है? देश के 4 बड़े मेडिकल एक्सपर्ट्स की यह खास एक्सप्लेनेटरी रिपोर्ट देखें...

एक्सपर्ट 1: इस वायरस का आकार और स्पीड बंदूक की गोली जैसी है!

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, माइक्रोस्कोप

से देखने पर चांदीपुरा वायरस का आकार ‘गोली’ जैसा दिखाई देता है। शरीर में प्रवेश करने के बाद यह कम समय में बच्चे के सेंट्रल नर्वस सिस्टम यानी दिमाग को प्रभावित कर सकता है। इससे दिमाग में सूजन (एड्सेफलाइटिस) हो सकती है, इसलिए समय पर इलाज बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

एक्सपर्ट 2: चांदीपुरा का बदलता पैटर्न—अब गांव ही नहीं, शहर भी निशाने पर!

विशेषज्ञों के अनुसार, पहले इसके मामले मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में सामने आते थे, लेकिन इस वर्ष शहरी इलाकों में भी सक्रमण के मामले मिलने से चिंता बढ़ी है। इससे संकेत मिलता है कि वायरस फैलाने वाले वाहक अब शहरों तक भी पहुंच चुके हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह वायरस मुख्य रूप से सैंड फ्लाई और कुछ प्रकार के मच्छरों के माध्यम से फैलता है, जो नमी और गंदगी वाले स्थानों पर अधिक पाए जाते हैं।

यदि बच्चे में ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें: ऐसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें और घरेलू उपचार के बजाय तुरंत अस्पताल ले जाएं। विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल इस वायरस की कोई विशेष वैक्सीन उपलब्ध नहीं है, इसलिए बचाव सबसे प्रभावी उपाय है। स्वास्थ्य विभाग प्रभावित क्षेत्रों में फॉगिंग और अन्य रोकथाम संबंधी उपाय कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि समय पर पहचान, सतर्कता और साफ-सफाई से इस बीमारी के खतरों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

डभोई के मंडला रोड पर झाड़ियों का साम्राज्य: प्रशासन की लापरवाही से हाईवे बना ‘डेंजर ज़ोन’

महानगर मेट्रो ब्यूरो



डभोई। एक तरफ मॉनसून में हरियाली बढ़ रही है, वहीं डभोई तालुका के मंडला रोड पर अनियंत्रित झाड़ियां वाहन चालकों के लिए खतरा बन गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क किनारे उगी घनी झाड़ियों के कारण दृश्यता प्रभावित हो रही है और मुख्य मार्ग पर दुर्घटनाओं का जोखिम लगातार बढ़ रहा है। लोगों ने सड़क एवं भवन विभाग पर समय रहते सफाई नहीं करने का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मंडला गांव की ओर जाने वाली सुरक्षा रेलिंग पूरी तरह झाड़ियों में छिप चुकी है। झाड़ियां इतनी घनी हो गई हैं कि सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते। बारिश के मौसम में स्थिति और गंभीर हो गई है, जिससे छोटे-बड़े हादसों की आशंका लगातार बनी रहती है। रात के समय यह मार्ग और अधिक जोखिम भरा हो जाता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मॉनसून से पहले सड़क

5 नए मेडिकल कॉलेजों से बेटियां भी पहनेंगी डॉक्टर की सफेद कोट - रत्नावली कौशल ‘

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छत्तीसगढ़। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ को 5 नए शासकीय मेडिकल कॉलेजों की मंजूरी मिलने पर भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने इसे प्रदेश की माताओं-बहनों और बेटियों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। हस्छ ने गौदम-दत्तेवाड़ा, कुनकुरी-जशपुर, मनेन्द्रगढ़, जांजगीर-चांपा एवं कबीरधाम में 50-50 सीटों के साथ नए मेडिकल कॉलेजों को सत्र 2026-27 से मान्यता दी है। इससे प्रदेश में एक साथ 250 नई एमबीबीएस सीटें बढ़ेंगी। रत्नावली कौशल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नारी शक्ति और अनुसूचित जाति-जनजाति समाज को सशक्त करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। आज जब गौदम जैसे नवसल प्रभावित क्षेत्र और कुनकुरी जैसे आदिवासी अंचल में मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं, तो यह साबित होता है कि डबल इंजन सरकार की सोच ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास’ को ज़मीन पर उतार रही है। रत्नावली कौशल ने कहा कि पहले हमारे गांव-कस्बों की बेटियों को डॉक्टर बनने के लिए बड़े शहरों में जाना पड़ता था। आर्थिक और सामाजिक बाधाओं के कारण कई प्रतिभाएं दम तोड़ देती थीं। अब अपने ही जिले में मेडिकल कॉलेज खुलने से स्ट्र/स्त्र और पिछड़े वर्ग की बेटियों को घर के पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। यह निर्णय बेटियों के सपनों को नई उड़ान देगा। रत्नावली कौशल ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी का विजन है कि छत्तीसगढ़ की कोई भी महिला-पुरुष इलाज के अभाव में अपना जीवन न गवाएं। इन 5 नए मेडिकल कॉलेजों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी और माताओंबहनों को प्रसव एवं अन्य उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। रत्नावली कौशल ने केंद्र एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये 250 सीटें केवल आंकड़ा नहीं हैं। ये छत्तीसगढ़ की 2500 गांवों की बेटियों की आशा हैं। महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के नेतृत्व में महिला मोर्चा संकल्पित है कि हम इस जानकारी को महिला स्व-सहायता समूहों और गांव-गांव तक पहुंचाएंगे ताकि अधिक से अधिक बेटियां डॉक्टर बनकर प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि यह निर्णय विकसित छत्तीसगढ़ सशक्त नारी,स्वस्थ छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने निकाली नशामुक्ति जन जागरण रैली



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय नागदा, रूपेटा में आज प्राचार्य डॉ. पी. बी. रेड्डी के मार्गदर्शन में नशे के खिलाफ एक महत्वपूर्ण पहल की गई। महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स द्वारा ‘नशे से दूरी है जरूरी 2.0’ कार्यक्रम के अंतर्गत एक भव्य जन जागरण रैली का आयोजन किया गया। यह रैली नगर पालिका परिषद नागदा से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और चौराहों से गुजरी। रैली के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने अपने हाथों में नशामुक्ति के संदेश देती तख्तियां ले रखी थीं। कैडेट्स ने विभिन्न प्रकार के प्रेरणादायक स्लोगान्स और नारे लगाकर स्थानीय नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने समाज को यह संदेश दिया कि नशा मुक्त समाज ही देश की असली उन्नति का आधार है। रैली के समापन पर महाविद्यालय परिषर में एक विशेष सभा का आयोजन किया गया, जहां सभी उपस्थित कैडेट्स और स्टाफ सदस्यों ने जीवन भर नशे से दूर रहने और दूसरों को भी नशे की लत से बचाने के संबंध में गंभीरतापूर्वक शपथ ली। इस पूरे आयोजन में महाविद्यालय प्रशासन और स्थानीय नागरिकों का सुराहनीय सहयोग रहा।

दैनिक राशिफल

16 जुलाई 2026, गुरुवार

मेघ आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके हुए कार्यों में गति मिलेगी। नौकरी और व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार का सहयोग रहेगा। सेहत सामान्य रहेगी।	वृषभ आर्थिक मामलों में सफल समझकर निर्णय लें। कार्यस्थल पर जिम्मेदारियों को सफलता मिलने का अवसर मिलेगा। अन्यायपूर्ण खर्च से बचें।	मिथुन आज का दिन शुभ रहेगा। विचारों को सफलता मिलने के योग हैं। व्यापार में लाभ होगा और नए संकेत बनेंगे। यात्रा के योग बन सकते हैं।
कर्क कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। परिवार में सुशांति रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और खान-पान में संयम बरतें।	सिंह मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सरकारी कार्यों में सफलता मिलने के संकेत हैं। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। निवेश सही-सावधान करें।	कन्या आज रातें और समझदारों से कवि बनेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी।
तुला व्यापार में लाभ के योग हैं। दीर्घकालीन योजनाएं सफल हो सकती हैं। किसी शुभ समाचार से नम प्रसन्न रहें। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।	वृश्चिक आज मेहनत का पूरा फल मिलेगा। रुका हुआ धन वापस मिलने के योग हैं। विचारों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। ज़ोच पर नियंत्रण रहे।	धनु धार्मिक और सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी।
मकर कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। नए निवेश से पहले विश्लेषण में लाभ होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। मानसिक तनाव कम होगा।	कुंभ नए कार्यों की शुरुआत के लिए दिन अनुकूल है। व्यापार में लाभ होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। मानसिक तनाव कम होगा।	मीन आज भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्यों में गति मिलेगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

शुभ रंग: पीला

शुभ अंक: 7

आपका दिन शुभ और मंगलमय हो। ✨

जगन्नाथ महायात्रा : आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव



दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदैव्यों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुडध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पदाध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे।

रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यन्त मार्मिक पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरूढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ

दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोड़ा पीठा ग्रहण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुठ होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हें मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है। गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बड़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद बनाया जाता है। दाल, चावल, सब्जियाँ, मालपुआ, गजामृग, लाई, नारियल तथा अनेक प्रकार के व्यंजन अत्यंत अल्प मूल्य पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता और साझेदारी का प्रतीक है। धार्मिक ग्रन्थों में रथयात्रा का अत्यन्त महत्व बताया गया है। स्कन्द पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा उत्कल खण्ड में भगवान जगन्नाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं रथ को स्पर्श करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होते हैं तथा रथ खींचने वाले को मोक्ष का अधिकारी माना गया है। यद्यपि इन मान्यताओं का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन-रथ को धर्म, सेवा और सद्बचार के मार्ग पर चलाता है, वही

ज़िंदगी की तकलीफ़ों पर हँसना जीने की कला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जिंदगी भी शतरंज का एक अजीब खेल है। कभी दुनिया के मजाक पर हँसने का मन करता है, तो कभी किसी और की परेशानियों पर मुस्कराने का। लेकिन, किसी इंसान की जिंदगी का सबसे गहरा, सबसे दुखद और सबसे मजबूत पल वह होता है जब वह अपनी बर्बादी, अपनी किस्मत और अपने हालात पर दिल खोलकर हँसता है। एक गुप्तनाम हिंदी कवि ने इस हमेशा रहने वाले सच को सिर्फ दो लाइनों में बहुत अच्छे से पिराया है: ‘थोड़ी देर बाद हम अपनी बदकिस्मती पर हँसते हैं... वो भी अपने हाल पर।’ आज ‘पाबको गुजरात’ के इस खास आर्टिकल में, आइए इन दो लाइनों के पीछे छिपे जिंदगी के बहुत गंभीर फ़लसफ़े को समझने की कोशिश करते हैं। जब दर्द खत्म होता है, तो हंसी आती है साइकोलॉजी कहती है कि इंसान तभी तक रोता है जब तक उसे उम्मीद रहती है कि कोई उसके आंसू देखकर उसे मनाने आएगा या हालात बदल जाएंगे। लेकिन जब मुश्किलों का पहाड़ इतना बड़ा हो जाता है कि रने का कोई मतलब नहीं बचता, तो अंदर का सारा डर गायब हो जाता है। जब सालों से जमा हुआ दुख आंसू बनकर नहीं बह पाता, तो वह हंसी बनकर बाहर आता है। अपने हालात पर हंसना पागलपन नहीं, बल्कि इस दुनिया के भ्रम और अपनी उम्मीदों पर एक जोरदार चोट है। हम जिंदगी में कितनी प्लानिंग करते हैं! ‘मैं यह करूँगा, मैं वह करूँगा, मैं दुनिया जीत लूँगा...’ लेकिन समय का एक ही

चिंतन-मनन

कर्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- ‘रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?’ विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- ‘आप ही बताइए।’ अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है ‘हक-हकूक’ का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थे। पर राम ने अपने कर्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्ते में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुगुप में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं-हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेन्द्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्तव्य को अपने जीवन का सर्वोपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है। वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

इंसान की जिंदगी में भावनाओं, विचारों और व्यवहार की एक पूरी दुनिया छिपी है। इस दुनिया में एक ऐसा एलिमेंट है जो या तो इंसान को कामयाबी की चोटी पर ले जाता है या अकेलेपन के अधरे में धकेल देता है। वह एलिमेंट है ईगो। हाल ही में, एक सुंदर और गहरी बात चल रही है कि, जब तक ईगो आपकी रक्षा करता है, तब तक कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन जब आप अपने ईगो की रक्षा करते हैं, तो कोई भी आपको रक्षा नहीं करेगा। इस छोटी सी लाइन में जिंदगी की एक बहुत बड़ी सच्चाई छिपी है। आज हम इसी टॉपिक पर गहराई से सोचेंगे।

शुरू में, यह समझना जरूरी है कि ईगो हमारी रक्षा कैसे करता है? यहाँ, ईगो का मतलब नेगेटिव रूप से नहीं, बल्कि एक अवेयरनेस या सेल्फ-रिस्पेक्ट से है। जब कोई इंसान अपनी सेल्फ-रिस्पेक्ट बनाए रखने के लिए ईगो को ढाल की तरह इस्तेमाल करता है, तो वह गलत जगह नहीं झुकता। समाज में अपनी जगह बनाए रखने, अन्याय का शिकार न होने और अपने उम्मुलों पर ऑडिग रहने के लिए जिस अंदरूनी ताकत की जरूरत होती है, वह अक्सर इसी तरह के सात्विक ईगो से आती है। उस पॉइंट तक तो सब ठीक है, क्योंकि यह आपकी इज्जत और वज्रूद को बचाता है। यह आपको लोगों की नजरों में कमजोर होने से बचाता है।

लेकिन दिक्कत तब शुरू होती है जब यह ढाल हमारी पहचान बन जाती है। जब हम उस ईगो को पालने-पोसने, बचाने और बढ़ाने लगते हैं, तो हालात पूरी तरह बदल जाते हैं। ईगो को बचाने का क्या मतलब है? हर छोटी-छोटी बात में इस बात पर



जोर देना कि सब कुछ मेरे तरीके से होना चाहिए, अगर कोई गलत भी हो तो उसे मानने से मना करना, दूसरों को खुद से कम समझना और हमेशा इस गलतफहमी में रहना कि मेरे बिना कोई नहीं कर सकता। जब कोई इंसान इस हालत में पहुँच जाता है, तो वह ईगो का रक्षक नहीं रहता और उसका गुलाम बन जाता है।

राम के मंदिर में पारदर्शिता की अग्निपरीक्षा

किसी को दोषी ठहराना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरोपों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो तथा सत्य सामने आए। लोकतंत्र में न्यायापालिका की यही भूमिका है—विश्वास बनाए रखना और कानून के शासन को मजबूत करना।याचिकाओं में आरोप लगाए गए हैं कि मंदिर में प्राप्त दान और चढ़ावे के प्रबंधन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। कुछ कर्मचारियों पर चढ़ावे में कथित गमन, दान कक्ष की चाबियां अनधिकृत लोगों के पास रहने और वित्तीय प्रक्रियाओं में लापरवाही जैसे आरोप लगाए गए हैं। विरक्ष सिंधी सेवा संगम ने भी वर्ष 2021 में मंदिर को दान की गई लगभग दो सौ किलोग्राम चांदी की ईंटों का विधिवत रसीद नहीं मिलने और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। दूसरी ओर ट्रस्ट ने भी कुछ कर्मचारियों से जुड़ी पहचान निरस्त करने और दर्शन व्यवस्था में बदलाव जैसे कदम उठाए हैं। इन सबके बीच एसआईटी की जांच और न्यायालय की प्रक्रिया ही अंतिम सत्य का आधार बनेगी।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अभी आरोप हैं, फैसला नहीं। न्यायालय ने केवल जवाब मांगा है, किसी को दोषी घोषित नहीं किया है। इसलिए मीडिया, राजनीति और समाज—तीनों की जिम्मेदारी है कि वे न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करें। किसी को पहले से दोषी ठहराना भी अनुचित है और बिना जांच के हर आरोप को साजिश बताकर खारिज कर देना भी उतना ही गलत है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण ने एक बड़ा सवाल अवश्य खड़ा किया है। क्या भारत की बड़ी धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय पारदर्शिता की व्यवस्था पर्याप्त है? मंदिरों, गुम्बहरों, मठों, दरगाहों और अन्य धार्मिक संस्थानों में हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का दान आता है। यह धन किसी कर के रूप में नहीं आता, बल्कि लोगों की आस्था का प्रतीक होता है। इसलिए उसका प्रबंधन भी उसी स्तर की पवित्रता और पारदर्शिता से होना चाहिए।

देश के कुछ प्रमुख धार्मिक संस्थानों ने आधुनिक वित्तीय प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल लेखा प्रणाली, ऑनलाइन दान, सीसीटीवी निगरानी, नियमित ऑडिट और सार्वजनिक आय-व्यय विवरण जैसी व्यवस्थाएं धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। लेकिन अनेक स्थानों पर अब भी पारंपरिक व्यवस्था, सीमित निगरानी और अपार्याप्त जवाबदेही बनी हुई है। जब संस्थाओं का आकार और दान की मात्रा बढ़ जाती है, तब केवल परंपरा के भरोसे व्यवस्था नहीं चल सकती। आधुनिक प्रबंधन और पारदर्शिता को स्वीकार करना समन की आवश्यकता है।

दुर्भाग्य यह है कि भारत में धार्मिक संस्थाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठते ही बहस का स्वरूप बदल जाता है। लोग तुरंत इसे धर्म बनाम अधर्म या आस्था बनाम षड्यंत्र की बहस बना देते हैं। जबकि वास्तविक प्रश्न केवल इतना है कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया धन सुरक्षित है या नहीं और उसका उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुसार हो रहा है या नहीं। यह प्रश्न किसी धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि धर्म की गरिमा के पक्ष में है। आस्था कभी भी पारदर्शिता से कमजोर नहीं होती। बल्कि पारदर्शिता आस्था को और मजबूत करती है। यदि किसी संस्था का लेखा-जोखा साफ है, उसकी प्रक्रियाएं स्पष्ट हैं और उसकी कार्यप्रणाली सार्वजनिक जांच की कसौटी पर खरी उतरती है, तो उसकी प्रतिष्ठा और बढ़ती है। जो संस्था स्वयं को जनता के प्रति जवाबदेह मानती है, उसके प्रति विश्वास भी अधिक गहरा होता है।

राम का पूरा जीवन सत्य, मर्यादा और उत्तरदायित्व का संदेश देता है। राम ने सत्ता को अधिकार नहीं, दायित्व माना। उन्होंने राजा होकर भी स्वयं को लोकमत और नैतिकता से ऊपर नहीं रखा। रामराज्य की अवधारणा केवल समृद्धि की नहीं, बल्कि न्याय, समानता और पारदर्शी शासन की अवधारणा है। यदि राम के नाम पर बने सबसे बड़े मंदिर में भी पारदर्शिता की मांग उठती

वास्तविक मुक्ति प्राप्त करता है। जगन्नाथ रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं रहता। लाखों श्रद्धालु एक साथ रथ की रस्सी खींचते हैं। यही वह क्षण होता है जब धर्म केवल पूजा-पद्धति न रहकर सामाजिक एकता का उत्सव बन जाता है। आज यह यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं रही। भारत के लगभग सभी प्रमुख नगरों सहित अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अनेक यूरोपीय देशों में भी जगन्नाथ रथयात्रा आयोजित होती है। विशेष रूप से इस्कोन ने इस परम्परा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करोड़ों विदेशी भक्तों ने इसी माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण एवं जगन्नाथ संस्कृति को जाना है। इसलिए यदि कहीं तिथियों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन भी किए जाएं तो उनके पीछे धार्मिक अवमानना नहीं, बल्कि स्थानीय व्यवस्थाओं की विवशता भी हो सकती है। फिर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, श्रीमंदिर की परम्परा और निर्धारित तिथि का सम्मान किया जाए, ताकि सम्पूर्ण विश्व में एकात्मता का संदेश और अधिक सुदृढ़ हो।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

दिल्ली में अब नहीं काटने पड़ेंगे सरकारी दफ्तरों के चक्कर, ‘राइट टू टाइम बाउंड सर्विसेज’ बिल को मिली मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए 'दिल्ली (राइट ऑफ सिटिजन टू टाइम बाउंड एंड ईज ऑफ डिलीवरी ऑफ सर्विसेज) बिल, 2026' को मंजूरी दे दी है। यह नया कानून सरकारी सेवाओं की डिलीवरी में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से लाया गया है।
राइट टू सर्विस कानून की लेगा जगह

दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर जानकारी देते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक सुधार तय समय में सरकारी सेवाएं प्राप्त करना हर नागरिक का कानूनी अधिकार बनाएगा। यह बिल वर्ष 2011 के राइट टू सर्विस कानून की जगह लेगा और नागरिकों को केंद्र में रखकर तैयार किए गए आधुनिक तथा तकनीक-आधारित कानूनी ढांचे को लागू करेगा। इस नए कानून के तहत नागरिकों को समयबद्ध सरकारी सेवाओं का कानूनी अधिकार मिलेगा। सरकारी सेवाओं की पूरी प्रक्रिया एंड-टू-एंड डिजिटल होगी, जिससे लोगों को बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। यदि किसी सेवा में तय समय से अधिक देरी होती है, तो मामला स्वतः उच्च अधिकारी (ऑटोमैटिक एस्केलेशन) के पास पहुंच जाएगा। बिल में नागरिकों की शिकायतों के समाधान के लिए स्वतंत्र शिकायत निवारण तंत्र का भी प्रावधान किया गया है। इसके अलावा दिल्ली राइट टू सर्विस कमीशन का गठन किया जाएगा, जो कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करेगा। अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जुमाने का प्रावधान भी रखा गया है। दिल्ली सरकार का कहना है कि यह नया कानून पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और नागरिक केंद्रित शासन व्यवस्था को बढ़ावा देगा। सरकार के अनुसार यह पहल ‘सेवा ही संकल्प’ की भावना से प्रेरित है और ‘विकसित दिल्ली’ के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आम नागरिकों और कारीबार से जुड़े लोगों को सभी सरकारी सेवाएं तय समय-सीमा के भीतर कानूनी रूप से उपलब्ध कराई जाएं।

गुरुग्राम-द्वारका एक्सप्रेसवे टनल में चलती कार में लगी आग, रूह कंपा देगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो
गुरुग्राम। द्वारका एक्सप्रेसवे की एयरपोर्ट टनल में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक चलती कार में अचानक आग लग गई. देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और टनल के अंदर घना धुआं भर गया. हालांकि, राहत की बात यह रही कि कार में सवार सभी लोग समय रहते वाहन से बाहर निकलने में सफल रहे. इस वजह से किसी भी तरह की जनहानि या घायल होने की घटना सामने नहीं आई. घटना के बाद टनल में मौजूद आधुनिक स्मार्ट फायर सेफ्टी सिस्टम तुरंत सक्रिय हो गया. आग का पता चलते ही स्वचालित सुरक्षा प्रणाली ने बिना देरी किए काम शुरू कर दिया. टनल के भीतर लगे सुरक्षा उपकरणों और अग्निशमन व्यवस्था की मदद से करीब 12 मिनट के भीतर आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया. इस त्वरित कार्रवाई की वजह से आग दूसरे वाहनों तक नहीं फैल सकी और एक बड़ा हादसा टल गया. इस पूरी घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है. वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही कार में आग लगती है, कुछ ही क्षणों में टनल का फायर सेफ्टी सिस्टम सक्रिय हो जाता है. धुआं निकालने की व्यवस्था और आग बुझाने वाले उपकरण तेजी से काम करते दिखाई देते हैं. यहीं वजह रही कि स्थिति जल्द ही नियंत्रण में आ गई. कापसहेड्ड थाना पुलिस के अनुसार, पुलिस नियंत्रण कक्ष को घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची. जांच के दौरान कार चाकड़ और मालिक ने बताया कि वाहन में अधिक गर्मी होने के कारण आग लगी. शुरुआती जांच में भी आग लगने की वजह ओवरहीटिंग मानी जा रही है. हालांकि, पुलिस और संबंधित एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं ताकि आग लगने के सटीक कारणों की पुष्टि की जा सके.
महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुरुग्राम। द्वारका एक्सप्रेसवे की एयरपोर्ट टनल में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक चलती कार में अचानक आग लग गई. देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और टनल के अंदर घना धुआं भर गया. हालांकि, राहत की बात यह रही कि कार में सवार सभी लोग समय रहते वाहन से बाहर निकलने में सफल रहे. इस वजह से किसी भी तरह की जनहानि या घायल होने की घटना सामने नहीं आई. घटना के बाद टनल में मौजूद आधुनिक स्मार्ट फायर सेफ्टी सिस्टम तुरंत सक्रिय हो गया. आग का पता चलते ही स्वचालित सुरक्षा प्रणाली ने बिना देरी किए काम शुरू कर दिया. टनल के भीतर लगे सुरक्षा उपकरणों और अग्निशमन व्यवस्था की मदद से करीब 12 मिनट के भीतर आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया. इस त्वरित कार्रवाई की वजह से आग दूसरे वाहनों तक नहीं फैल सकी और एक बड़ा हादसा टल गया. इस पूरी घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है. वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही कार में आग लगती है, कुछ ही क्षणों में टनल का फायर सेफ्टी सिस्टम सक्रिय हो जाता है. धुआं निकालने की व्यवस्था और आग बुझाने वाले उपकरण तेजी से काम करते दिखाई देते हैं. यहीं वजह रही कि स्थिति जल्द ही नियंत्रण में आ गई. कापसहेड्ड थाना पुलिस के अनुसार, पुलिस नियंत्रण कक्ष को घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची. जांच के दौरान कार चाकड़ और मालिक ने बताया कि वाहन में अधिक गर्मी होने के कारण आग लगी. शुरुआती जांच में भी आग लगने की वजह ओवरहीटिंग मानी जा रही है. हालांकि, पुलिस और संबंधित एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं ताकि आग लगने के सटीक कारणों की पुष्टि की जा सके.

ईंडिया गेट घूमने पहुंचे परिवार के साथ पुलिसकर्मियों ने की मारपीट

महानगर मेट्रो ब्यूरो
नई दिल्ली। पूरे सप्ताह नौकरी और भागदौड़ भरी जिंदगी के बाद एक मिडिल क्लास फैमिली रविवार को दिल्ली के ईंडिया गेट पर घूमने का प्लान बनाती है। दिल्ली की पटेल नगर की रहने वाले इस परिवार के लिए इंडिया गेट पहुंचने के बाद घूमने-फिरने का प्लान तब एक उदात्तने अनुभव में बदल गया, जब रविवार रात कथित तौर पर पुलिसकर्मियों द्वारा बदसलूकी और मारपीट की गई। अब पीड़ित परिवार ने मामले में FIR दर्ज कर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सोमवार को दिल्ली के एक सीनियर पुलिस अधिकारी को दी गई लिखित शिकायत में परिवार ने आरोप लगाया कि 'तीन पुलिसकर्मियों ने उन्हें पास के लॉन से हटने के लिए कहा और फिर उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। पीड़ित परिवार ने FIR दर्ज करने और पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शिकायतकर्ता रीता सिंह के अनुसार, रविवार रात करीब 9 बजकर 20 मिनट पर कुछ पुलिसकर्मी लॉन पहुंचे और परिवार को वहां से जाने को कहा। परिवार ने पुलिसकर्मियों से कहा कि यहां से जाने का समय 9 बजकर 30 मिनट है, इसलिए उन्हें कुछ देर और रुकने दिया जाए। रीता ने आरोप लगाया कि इस बात को लेकर पुलिसकर्मी इस बात को लेकर नाराज हो गए और परिवार के साथ मारपीट करने लगे। सिंह ने अपनी शिकायत में कहा, 'जब मैंने बीच-बचाव किया तो उन्होंने मेरे परिवार के सदस्यों को थपड़ मारा और मेरा हाथ मरोड़ दिया।' उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ पुलिस वाले नशे में लग रहे थे। रीता सिंह के बेटे विककी ठाकुर ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि जब परिवार ने पुलिस वालों से यह पूछा कि उन्हें 9.30 बजे से पहले क्यों जाना चाहिए, तो मामला और बढ़ गया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, 'उन्होंने ऊंची आवाज में बात की, गालियां दीं और हमारे साथ बदसलूकी की।' वक्की ने आगे कहा, 'जब पुलिस वालों ने हमारे कॉलर पकड़े और ज्यादा हिंसक हो गए, तो मेरी मां ने उन्हें रोकने की कोशिश की। उनमें से एक ने मेरी मां को कंधे से धक्का दिया और फिर उनका हाथ मरोड़ दिया। इससे उनकी उंगलियों में सूजन आ गई।' लोक गावक ने खवाल उठाते हुए कहा, क्या किसी सार्वजनिक जगह पर जाने पर किसी के साथ ऐसा बर्ताव होना चाहिए? विककी ठाकुर के मुताबिक, परिवार ने मौके से कई बार पुलिस हेल्पलाइन 112 पर कॉल किया। कुछ देर बाद पीसीआर टीम मौके पर पहुंची। आरोप है कि पीसीआर टीम ने मामला दर्ज कराने के बजाय समझौता करने की सलाह दी। हालांकि, तब तक कथित तौर पर मारपीट करने वाले पुलिसकर्मी वहां से जा चुके थे।

पंजे काटे, छाती और पेट पर किया ताबड़तोड़ वार अमरावती में युवक की बेरहमी से हत्या

महाराष्ट्र के अमरावती में लड़की से जुड़े विवाद में 24 वर्षीय आफाक शेख शकील की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई. समझौते के बहाने बुलाए गए आफाक पर गले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती शहर में बुधवार सुबह हुई एक सनसनीखेज हत्या ने पूरे शहर को झकझोर दिया. यहां राजेंद्र कॉलोनी-विजय कॉलोनी क्षेत्र में कथित तौर पर लड़की से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए बुलाए गए एक युवक की धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी गई. हमलावरों ने उसके गले, छाती और पेट पर ताबड़तोड़ वार किए. हमले से बचने के लिए जब युवक ने हाथ आगे किया तो धारदार हथियार के वार से उसका हाथ का पंजा शरीर से अलग हो गया. घटनास्थल पर कटा हुआ पंजा मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. विवाद सुलझाने के बहाने बुलाया और कर दी हत्या
मृतक की पहचान आफाक शेख शकील (निवासी ताज नगर) के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार घटना बुधवार सुबह



करीब 8:30 बजे पोरवाल सीमेंट डिपो के पास हुई. प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक आफाक और दूसरे पक्ष के बीच एक लड़की को लेकर पहले से विवाद चल रहा था. इसी विवाद को सुलझाने के लिए दोनों पक्षों को मौके पर बुलाया गया था. बातचीत के दौरान कहासुनी बढ़ गई और विवाद हिंसक हो गया. इसके बाद आरोपियों ने आफाक

महाराष्ट्र में संसद के मॉनसून सत्र से पहले बैठकों का दौर, NCP को लेकर क्या होगा शरद पवार का अगला कदम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। संसद के मॉनसून सत्र से पहले महाराष्ट्र में एक बार फिर बैठकों का दौर शुरू हो गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों ने मंगलवार देर रात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ बैठक की। एनसीपी के दोनों गुटों के नेताओं के फडणवीस से मिलने के बाद राज्य में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। ऐसे में सभी की नजरें शरद पवार के अगले कदम पर टिकी हैं। दावा किया जा रहा है कि शरद पवार के ज्यादातर सांसद और विधायक चाहते हैं कि पार्टी एनडीए का हिस्सा बने, हालांकि कुछ दिन पहले शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने एनसीपी (एसपी) के एनडीए में जाने की संभावनाओं को खारिज कर दिया है। ऐसे में जब बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए में मॉनसून सत्र से पहले एक-एक सांसद की गिनती हो रही है, तब शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी (एसपी) की अहमियत सुनेत्रा पवार की अगुवाई वाली एनसीपी से कहीं ज्यादा हो गई है, क्योंकि शरद पवार के पास आठ सांसद हैं। इनमें उनकी बेटी सुप्रिया सुले हैं। 'द इंडियन एक्सप्रेस' के अनुसार NCP के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने शाम को फडणवीस से मिलने से पहले दक्षिण मुंबई



स्थित शरद पवार के आवास 'सिल्वर ओक' पर उनसे मुलाकात की थी। इसके अलावा सत्ताधारी एनसीपी के नेता सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की। एक तरफ जहां दोनों खेमों का विलय होगा। ऐसे में शरद पवार की पार्टी स्वतः ही एनडीए का हिस्सा बन जाएगी, क्यों सुनेत्रा पवार पहले से ही एनडीए में हैं। एनसीपी के दोनों गुटों के साथ आने में सबसे बड़ा रोड़ा कानून पारित है। शरद पवार खेमे ने सुप्रीम कोर्ट में केस किया हुआ है। मॉनसून सत्र की शुरुआत से पहले एनसीपी के ताजा घटनाक्रम और बैठकों ने राजनीतिक दिलचस्पी बढ़ा दी है। दावा किया जा रहा है कि शरद पवार अगर एनडीए में एंट्री लेते हैं तो सुप्रिया सुले मंत्री बन जाएंगी।

बाप रे! दूध में शैंपू और केमिकल, पुणे में FDA ने पकड़ा 2 करोड़ रुपये का सिंथेटिक दूध का

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। खाने-पीने की चीजों में मिलावट के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, पुलिस और फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने महाराष्ट्र के पुणे जिले में दूध में मिलावट करने वाले एक अंतर-जिला गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 2 करोड़ रुपये से ज्यादा का सामान जब्त किया गया है। पुणे रूरल पुलिस और FDA ने मिलकर मंचर (जिसे इस रैकेट का मुख्य केंद्र माना जाता है) के साथ-साथ अकलूज, अहिल्यानगर, सिल्लोड और सांगली में छापे मारे। यह ऑपरेशन पुणे रूरल लोकल ब्राइम ब्रांच की 30 सदस्यों वाली टीम ने चलाया, जिसमें 20 से ज्यादा FDA अधिकारियों ने मदद की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई सिंथेटिक दूध के गैर-कानूनी उत्पादन और सप्लाई की विस्तृत जांच के बाद की गई। जांच में शामिल एक अधिकारी ने कहा कि यह रैकेट कई जिलों में चल रहा था और बड़े पैमाने पर बाजार में मिलावटी दूध सप्लाई कर रहा था।



पुणे में की गई छापेमारी

पुणे जिले में, FDA की टीमों ने सोलापुर के सांगोला में एक मेन्यूफैक्चरिंग यूनिट से दूध ले जा रहे एक टैंकर की जांच की। दूध के सैंपल लिए गए और मिलावट के शक में 28,498 लीटर दूध जब्त किया गया; क्योंकि यह खराब होने वाली चीज थी, इसलिए इसे नष्ट कर दिया गया। अहिल्यानगर के एक कलेक्शन सेंटर से भी मिलावट के शक वाला 24,498 लीटर दूध जब्त करके नष्ट किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, गलत लेबलिंग, मिलावट और फूड सेफ्टी नियमों के उल्लंघनों के शक में 92,000 किलोग्राम से ज्यादा अलग-अलग तरह के खाने-पीने के सामान

जब्त किए गए।

असली दूध में सिंथेटिक दूध की मिलावट

जांचकर्ताओं को पता चला है कि आरोपी ग्राहकों को सप्लाई करने से पहले हर 1000 लीटर असली दूध में लगभग 500 लीटर केमिकल से बना सिंथेटिक दूध मिलाते थे। अधिकारियों ने बताया कि सिंथेटिक दूध केमिकल, मिल्क पाउडर, शैम्पू और अन्य चीजों का इस्तेमाल करके बनाया जाता था। FDA के एक अधिकारी ने कहा कि इस काम से सेहत को गंभीर खतरा है। अधिकारी ने कहा कि इस तरह की मिलावट न सिर्फ ग्राहकों को धोखा देती है, बल्कि लोगों की सेहत के लिए भी खतरा पैदा करती है। यह जाँट ऑपरेशन पुणे ग्रामीण के पुलिस सुपरिंटेंडेंट संदीप सिंह गिल और FDA कमिश्नर तुकाराम मुंडे की देखरेख में चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस रैकेट के पीछे के बड़े नेटवर्क, फ्रेंडिंग के लिंक और सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

मोदी सरकार को बड़ी राहत, शरद पवार की NCP करेगी संविधान संशोधन बिल का समर्थन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) संसद के मॉनसून सत्र में आने वाले संविधान संशोधन बिल का समर्थन करेगी। बुधवार को मुंबई में शरद पवार की बेटी और एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) चुनाव क्षेत्रों के पुनर्गठन से जुड़े संविधान संशोधन बिल का समर्थन करेगी, अगर इसमें लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव हो। सुप्रिया सुले ने 50 प्रतिशत की शर्त का उल्लेख करके अब गेंद बीजेपी के पाले में डाल दी है। ऐसा माना जा रहा है सरकार अब 50 फीसदी पर ही आगे बढ़ेगी।

सर्वदलीय बैठक में हुई थी चर्चा

बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने पत्रकारों को बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुई सर्वदलीय बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा हुई थी। सुले ने साफ किया कि इस चर्चा में



शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), कांग्रेस और डीएमके ने भी सकारात्मक रख अपनाया था। उन्होंने कहा कि अगर सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मॉनसून सत्र में यह बिल पेश किया जाता है, तो पार्टी इसका समर्थन करेगी।

संसद में बढ़ गई NDA की ताकत

पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के पास आठ सांसद हैं। इतना ही नहीं शरद पवार राज्यसभा में खुद सदस्य हैं। ऐसे में संविधान संशोधन बिल पर मोदी सरकार की राह आसान हो गई है, क्योंकि टीएमसी के 20 बागी सांसदों और उद्धव ठाकरे के छह सांसद पहले ही एनडीए के समर्थन को मजबूत कर चुके हैं।

पंजे काटे, छाती और पेट पर किया ताबड़तोड़ वार अमरावती में युवक की बेरहमी से हत्या

है. पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर तेजी से कार्रवाई करते हुए 4 संदिग्धों को हिरासत में लिया है. आरोपियों में तीन नाबालिग और एक बालिग शामिल है. सभी से पूछताछ की जा रही है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच अभी प्रारंभिक चरण में है. इसी कारण हिरासत में लिए गए आरोपियों के नाम फिलहाल सार्वजनिक नहीं किए जा रहे हैं. पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी सहित अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं. इस नृशंस हत्या के बाद राजेंद्र कॉलोनी, विजय कॉलोनी और ताज नगर क्षेत्र में दहशत का माहौल है. पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित अन्य संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जाएगी.

दिल्ली में अब मेट्रो स्टेशनों पर जमा कर सकेंगे पुराने कपड़े, दान करने वालों को मिलेगा सर्टिफिकेट

महानगर मेट्रो ब्यूरो
नई दिल्ली। दिल्लीवालों को अब पुराने कपड़े कूड़े में फेंकने की जरूरत नहीं होगी। वे दिल्ली मेट्रो के 10 स्टेशनों पर बनाए जाने वाले 'अर्पण' संग्रह सेंटर्स पर अपने पुराने कपड़े जमा कर सकेंगे। इस पहल की शुरुआत के लिए मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में डीएमआरसी, डीएमआरसी लेडीज वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन, राज्य शहरी आजीविका मिशन, टेक्सटाइल रीसाइक्लिंग से जुड़ी संस्था क्लोथ्स बॉक्स फाउंडेशन और रेस्पन के बीच समझौता हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में पुराने कपड़े दान करने की योजना (ओल्ड क्लोथ्स डोनेशन प्रोजेक्ट) शुरू की जा रही है। इसका मकसद पुराने और इस्तेमाल किए गए कपड़ों को लैंडफिल में जाने से रोकना, टेक्सटाइल कचरे को कम करना और रीसाइक्लिंग के जरिए सस्टेनर इकोनॉमी को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल टेक्सटाइल कचरा कम करेगी बल्कि लोगों को स्वच्छ और सस्टेनेबल दिल्ली के निर्माण में भागीदार भी बनाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इकठ्ठा किए गए कपड़ों से सेल्फ हेल्प ग्रुप बैग, सजावटी सामान तैयार करेंगे। ज्यादा खराब कपड़ों को रीसाइकल कर नए उत्पाद और कच्चे माल में भी बदला जाएगा।
महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्लीवालों को अब पुराने कपड़े कूड़े में फेंकने की जरूरत नहीं होगी। वे दिल्ली मेट्रो के 10 स्टेशनों पर बनाए जाने वाले 'अर्पण' संग्रह सेंटर्स पर अपने पुराने कपड़े जमा कर सकेंगे। इस पहल की शुरुआत के लिए मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में डीएमआरसी, डीएमआरसी लेडीज वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन, राज्य शहरी आजीविका मिशन, टेक्सटाइल रीसाइक्लिंग से जुड़ी संस्था क्लोथ्स बॉक्स फाउंडेशन और रेस्पन के बीच समझौता हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में पुराने कपड़े दान करने की योजना (ओल्ड क्लोथ्स डोनेशन प्रोजेक्ट) शुरू की जा रही है। इसका मकसद पुराने और इस्तेमाल किए गए कपड़ों को लैंडफिल में जाने से रोकना, टेक्सटाइल कचरे को कम करना और रीसाइक्लिंग के जरिए सस्टेनर इकोनॉमी को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल टेक्सटाइल कचरा कम करेगी बल्कि लोगों को स्वच्छ और सस्टेनेबल दिल्ली के निर्माण में भागीदार भी बनाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इकठ्ठा किए गए कपड़ों से सेल्फ हेल्प ग्रुप बैग, सजावटी सामान तैयार करेंगे। ज्यादा खराब कपड़ों को रीसाइकल कर नए उत्पाद और कच्चे माल में भी बदला जाएगा।

इन स्टेशनों पर बनेंगे सेंटर

शाहदरा, डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर अस्पताल, मालवीय नगर, हौज खास, द्वारका, मोहन एस्टेट, लाजपत नगर, मयूर विहार फेज-1, पंजाबी बाग वेस्ट और शालीमार बाग मेट्रो स्टेशनों पर अर्पण संग्रह केंद्र बनाए जाएंगे। यहां लोग सुबह 7 से शाम 7 बजे तक अपने पुराने कपड़े दान कर सकेंगे।

SIR कर्मियों को Election Commission की सौगात; BLO को मिलेगा 6000 का बोनस

एसआईआर अभियान में लगे वीएलओ और सुपरवाइजरों को 6 हजार रुपये अतिरिक्त एकमुश्त मानदेय देने की मंजूरी दी है
महानगर मेट्रो ब्यूरो
नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के SIR कार्य में जुटे बु्थ स्तर के अधिकारियों बीएलओ सुपरवाइजरों के लिए राहत भरा फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने इस विशेष अभियान में शामिल प्रत्येक बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर को उनके नियमित वार्षिक पारिश्रमिक के अलावा 6 हजार रुपये का एकमुश्त मानदेय देने की मंजूरी दी है। इस संबंध में चुनाव आयोग के सचिव पवन दीवान ने देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है।

अतिरिक्त एकमुश्त मानदेय देने की मंजूरी

आयोग द्वारा जारी पत्र के अनुसार, सर कार्य में लगने वाले समय, मेहनत और काम की भारी मात्रा को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। यह विशेष मानदेय चुनावी प्रक्रिया को जमीनी स्तर पर मजबूत करने वाले कर्मियों को उनके सालाना भत्ते के अतिरिक्त प्रोत्साहन के रूप में दिया जाएगा। आयोग ने इस आदेश को तुरंत प्रभाव से लागू करने और सभी संबंधित अधिकारियों तक इसकी जानकारी पहुंचने के निर्देश दिए हैं ताकि इसका लाभ समय पर पहुंच सके। यह निर्देश आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, ददरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, दिल्ली ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, तेलंगाना, त्रिपुरा और उत्तराखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को भेज गया है। राजधानी में एसआईआर का काम 30 जून से शुरू हो चुका है, 13033 बीएलओ लगे हैं। रद्दक्रे के तीसरे चरण का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंगलवार रात 8 बजे तक कुल वोटर्स में से 98.57 प्रतिशत से अधिक लोगों को एन्यूमरेशन फॉर्म बांटे जा चुके हैं। हालांकि, इसके मुकाबले भरे गए फॉर्मों को कंप्यूटर पर दर्ज करने का क्रम केवल 12.17 प्रतिशत ही हो पाय है। चुनाव आयोग का कहना है कि एक से दो दिन में सभी फॉर्म बांट दिए जाएंगे। उसके बाद फॉर्मों को अपलोड करने के काम में और तेजी आएगी। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में कुल 1 करोड़ 45 लाख 10 हजार 298 वीटर रजिस्टर्ड हैं, जिनमें से 1 करोड़ 43 लाख 2 हजार 626 लोगों को घर-घर जाकर फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं। नई दिल्ली जिले में फॉर्म बांटने का क्रम शत-प्रतिशत पूरा हो चुका है। इसी तरह मध्य दिल्ली में 99.48 फीसदी और पूर्वी दिल्ली में 99.30 फीसदी के साथ फॉर्म वितरण का क्रम लगभग समाप्त होने की कगार पर है।



संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में प्रभु श्रीराम की 81 फीट ऊंची मूर्ति बनवा रहा युवक गिरफ्तार, धन शोधन का लगा आरोप

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में प्रभु श्रीराम की 81 फीट ऊंची मूर्ति का निर्माण करवा रहे हरि दास तारानी को पुलिस ने धन शोधन के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया। हरि दास की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब कट्टरपंथियों द्वारा प्रभु श्रीराम की तस्वीर को अपमानित करने के विरोध में अल्पसंख्यक समुदाय देशव्यापी प्रदर्शन कर रहा है। बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद के महासचिव मनिंद्र कुमार नाथ ने हरि दास तारानी की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने खास कहा, मैंने अभी गाइबांधा के पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात की। उन्होंने बताया कि हरि दास को धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश सीआईडी ने हरि दास को ढाका के उत्तरा इलाके से गिरफ्तार किया है। इससे पहले भारत ने 23 जून को बांग्लादेश से कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई शुरू करने और अल्पसंख्यक समुदायों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने का पुरजोर आग्रह किया था। बांग्लादेश की सरकार ने कट्टरपंथियों के दबाव में गाइबांधा जिले के पलाशाबाड़ी उपजिला में श्रीश्री राधा गोविंद और काली मंदिर में हो रहे भगवान श्रीराम की दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति के निर्माण को रुकवा दिया है। काले पत्थर से बनाई जा रही इस विशाल मूर्ति की अनुमानित लागत 17 करोड़ भारतीय रुपये है। रामचंद्रपुर गांव में स्थित इस धार्मिक परिसर में कुल 144 देवी-देवताओं की भव्य प्रतिमाएं स्थापित करने की योजना है।

पाकिस्तान में बैंक लूट के दौरान गोलीबारी में हिंदू डॉक्टर की मौत, जांच जारी

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सोमवार को 28 वर्षीय हिंदू डॉक्टर की लूटपाट के दौरान हत्या कर दी गई। यह घटना कराची के पॉथ विलपटन इलाके में हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एएसएसपी मेहरोज अली ने बताया कि आकाश चंद की मौत उस समय हुई, जब एक निजी बैंक के बाहर लुटेरों और बैंक के सुरक्षा गार्ड के बीच गोलीबारी हुई। अली ने बताया कि चंद अपने पिता और चचेरे भाई के साथ दूसरे बैंक से 50 लाख पाकिस्तानी रुपये निकालकर लाए थे। उन्हें यह रकम दूसरे बैंक में जमा करनी थी। वे 25-25 लाख रुपये के दो पैकेट लेकर जा रहे थे। अली ने बताया, जैसे ही उनकी कार बैंक के बाहर रुकी। उनके पीछे एक दूसरी कार आकर रुकी। उसमें सवार लोगों ने पैसे हट्टने की कोशिश की। तभी बैंक के दरवाजे पर तैनात सुरक्षा गार्ड ने गोली चला दी। लुटेरों ने भी जवाबी गोलीबारी की, जिसमें चंद की मौत हो गई। लुटेरों 25 लाख रुपये का एक पैकेट लेकर फरार हो गए। अली ने बताया, हम इस मामले की जांच कर रहे हैं कि क्या यह अंदर के किसी व्यक्ति की मिलीभगत से किया गया था। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि चंद की मौत किसकी गोली से हुई। शुरुआत में सुरक्षा गार्ड को लगा था कि जिस कार से परिवार आया था, वह भी लुटेरों के साथ शामिल हो सकती है।

भारत-ईयू एफटीए से बढ़ेंगे सहयोग के अवसर, जर्मनी के सांसदों से राजदूत गुप्ते की अहम बातचीत

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते और जर्मन संसद (बुंडेस्टाग) के सदस्य व भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डॉक वीजे ने दोनों देशों के बीच बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी की ओर मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, ‘राजदूत अजीत गुप्ते ने दस जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डॉक वीजे से मुलाकात की। इस दौरान भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, संसदों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने और भारत के राज्यों तथा जर्मनी के संघीय राज्यों (लैंडर) के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।’ राजदूत अजीत गुप्ते ने बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मैटिन हक्वेर्डी से भी मुलाकात की। इस बैठक में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से मिलने वाले अवसरों पर चर्चा हुई। दूतावास ने ‘एक्स’ पर बताया, ‘राजदूत अजीत गुप्ते ने 9 जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मैटिन हक्वेर्डी से मुलाकात की। बातचीत में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, भारत-ईयू एफटीए के अवसरों का इस्तेमाल करने, बढ़ते रक्षा और सुरक्षा सहयोग तथा वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई।’ पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के एविया में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रैंजरिक मर्ज से मुलाकात की थी। वदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-जर्मनी संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और भारत की यात्रा तथा इस साल की शुरुआत में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत पूरी होने के बाद रणनीतिक साझेदारी में आई नई गति पर संतोष जताया।

अरब सागर में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में अमेरिकी पायलट की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अरब सागर में जुलाई की शुरुआत में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में नौसेना के एक पायलट की मौत हो गई। अब ईरान युद्ध में मरने वाले अमेरिकी सैन्य कर्मियों की आधिकारिक संख्या बढ़कर 14 हो गई है। सोमवार तक संघर्ष में घायल सैनिकों की संख्या भी बढ़कर 400 से अधिक हो गई है। नौसेना ने क्या बताया : अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम होकिन्स ने बताया कि उनमें से अधिकांश को मस्तिष्क में गंभीर चोटें आई हैं। नौसेना ने शुरू में 1 जुलाई की दुर्घटना को आपातकालीन लैंडिंग बताया और कहा कि ‘इस बात का कोई संकेत नहीं है कि आपत स्थिति शत्रुतापूर्ण कार्रवाई के कारण हुई थी। दुर्घटना के तुरंत बाद हेलीकॉप्टर में सवार बाकी तीन नाविकों को बचा लिया गया। पेंटागन के युद्ध हताहतों की गिनती में

होर्मुज में ईरान के मिसाइल हमले में भारतीय नाविक की मौत, यूएई के तेल टैंकरों को बनाया निशाना; 8 घायल

तेहरान, एजेंसी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान की ओर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तेल टैंकरों पर किए गए भीषण मिसाइल हमले ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सनसनी फैला दी है। इस हमले में न केवल संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है, बल्कि एक भारतीय नाविक ने अपनी जान भी गंवाई है। ईरान के हमले में 8 लोग घायल : जानकारी के मुताबिक, ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे संयुक्त अरब अमीरात के झंडे वाले दो तेल टैंकरों को निशाना बनाया। इन जहाजों पर ईरानी सेना ने सीधी मिसाइलें दागीं। यूएई की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर इस हमले की पुष्टि की गई है। इस अचानक हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है, जबकि चालक दल के आठ अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। जहाज से 20 प्रतिशत टोल : ईरान का यह हमला उस समय हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज क्षेत्र के लिए एक बेहद विवादित और बड़ी घोषणा की है। ट्रंप ने खुद को ‘होर्मुज का गार्जियन’ घोषित करते हुए ऐलान किया है कि अब इस रास्ते से गुजरने वाले हर जहाज से 20 प्रतिशत टोल वसूला जाएगा। ट्रंप का तर्क है कि चूंकि अमेरिकी नौसेना इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को सुरक्षा प्रदान कर रही है, इसलिए उसे इस सेवा के बदले टैक्स मिलना चाहिए। होर्मुज बंद होने से बढ़ा तनाव :

एपल के मुकदमे के बीच फिर भिड़े मस्क-ऑल्टमैनट्रेड, दोनों के बीच हुई तीखी बयानबाजी



वाशिंगटन, एजेंसी। एआई उद्योग की दो बड़ी हस्तियों एलन मस्क और ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद फिर खुलकर सामने आ गया है। एपल द्वारा ओपनएआई के खिलाफ कथित ट्रेड सीक्रेट चोरी का मुकदमा दायर किए जाने के बाद दोनों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक-दूसरे पर तीखे व्यक्तिगत हमले किए। घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नई तकनीकों, निवेश और बाजार पर चर्चस्व की होड़ लगातार तेज होती जा रही है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार एपल के मुकदमे की खबर सामने आने के बाद



एलन मस्क ने एक्स पर सैम ऑल्टमैन को निशाने पर लेते हुए कई पोस्ट किए। उन्होंने ऑल्टमैन पर कटाक्ष करते हुए उन्हें धोखाधड़ी से जोड़ने वाली टिप्पणियां कीं और लगातार कई पोस्ट के जरिए उन पर हमला बोला। कुछ ही देर बाद ऑल्टमैन ने भी जवाब देते हुए मस्क के दावों और उनके व्यवहार पर तंज कसा। एलन मस्क और सैम ऑल्टमैन ने वर्ष 2015 में अन्य वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ मिलकर ओपनएआई की स्थापना एक गैर-लाभकारी शोध संस्था के रूप में की थी। उद्देश्य सुरक्षित और मानव हित में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास करना था।

सऊदी अरब ने सना एयरपोर्ट पर बरसाई मिसाइलें, ट्रंप के समर्थन के बाद हतियारों से सीधी भिड़ंत

सना, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में तनाव अब केवल होर्मुज तक सीमित नहीं रह गया है। खाड़ी क्षेत्र में एक नया और विनाशकारी मोर्चा खुल गया है, जहां सऊदी अरब और यमन के ईरान समर्थित हथी पर विद्रोही एक-दूसरे पर मिसाइलें बरसा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब ने यमन की राजधानी सना के हवाई अड्डे को निशाना बनाया है, जिससे पूरे क्षेत्र में युद्ध की लपटें तेज हो गई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, साल 2022 के बाद दोनों पक्षों के बीच यह सबसे गंभीर सैन्य टकराव है, जो लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष विराम के पूरी तरह टूटने का संकेत है।

सना एयरपोर्ट पर हमला : यह भीषण हमला उस वक़्त हुआ जब ईरान की ‘माहान एयरलाइंस’ का एक विमान सना एयरपोर्ट पर लैंड करने की कोशिश कर रहा था। सऊदी अरब ने हवाई पट्टी पर मिसाइलें दागकर विमान की लैंडिंग को रोकने का प्रयास किया। गौरतलब है कि यह उड़ान एक दशक से अधिक समय बाद तेहरान से सना के बीच संचालित की गई थी, जिसमें हतियारों का एक उच्च स्तरीय डेलीवरीशन सवार था, जो ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहा था। सऊदी अरब को संदेह है कि ऐसी उड़ानों के जरिए ईरान

हतियारों तक हथियार और सैन्य सलाहकार पहुंचा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप का सऊदी को खुला समर्थन : इस सैन्य कार्रवाई के पीछे कूटनीतिक हलचल भी तेज है। अमेरिकी समाचार वेबसाइट ‘एक्सप्रेस’ की रिपोर्ट के अनुसार, हमले से पहले सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर विस्तार से चर्चा की थी। बताया जा रहा है कि क्राउन प्रिंस ने हतियारों के खिलाफ इस बड़ी कार्रवाई के लिए अमेरिका से सैन्य और कूटनीतिक समर्थन मांगा था, जिसे ट्रंप ने स्वीकार कर लिया। अमेरिका ने बताया है कि वह अपने

सहयोगी सऊदी अरब के साथ खड़ा है, जिससे सऊदी के हौसले बुलंद हैं। हतियारों ने किया पलटवार : सऊदी के मिसाइल हमले के जवाब में हतियारों ने भी चुप बैठने के बजाय आक्रामक रुख अपनाया है। हतियारों ने सऊदी अरब के विभिन्न ठिकानों पर जवाबी मिसाइलें दागीं और चेतावनी दी है कि यदि उनके विमानों को रोका गया, तो वे सऊदी अरब के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। हतियारों का आरोप है कि सऊदी अरब नागरिक उड़ानों को बाधित कर अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है।

विस्फोटों का सामना करने वाले बलों के बीच एक बढ़ती हुई समस्या है। हालांकि इस चोट के साथ ही साथ पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, 9/11 के बाद के युग के दिग्गजों के बीच प्रमुख घावों में से एक बन गई है, लेकिन सैनिकों पर इसका प्रभाव, विशेष रूप से दीर्घकालिक, अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है। घायल सैनिकों के नए आंकड़ों के बारे में क्या बताया? सोमवार को गंभीर रूप से घायल सैनिकों के नवीनतम आंकड़ों के बारे में पूछे जाने पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की प्रवक्ता मेजर एम्मा थॉमप्सन ने कहा कि उनके पास कोई अपडेट नहीं है। उन्होंने दोहराया कि घायल सैनिकों में से लगभग सभी इट्टरी पर लौट आए हैं। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि कितने सैनिक इतने गंभीर रूप से घायल हुए हैं कि उन्हें क्षेत्र से निकालने की आवश्यकता पड़ी है।

दी। लेकिन युद्ध में होने वाली अधिकांश चोटों का कारण बनने वाली मस्तिष्क की गंभीर चोटें, लड़ाकू बलों, विशेष रूप से मिसाइल हमलों और पास में होने वाले

विस्फोटों का सामना करने वाले बलों के बीच एक बढ़ती हुई समस्या है। हालांकि इस चोट के साथ ही साथ पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, 9/11 के बाद के युग के दिग्गजों के बीच प्रमुख घावों में से एक बन गई है, लेकिन सैनिकों पर इसका प्रभाव, विशेष रूप से दीर्घकालिक, अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है। घायल सैनिकों के नए आंकड़ों के बारे में क्या बताया? सोमवार को गंभीर रूप से घायल सैनिकों के नवीनतम आंकड़ों के बारे में पूछे जाने पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की प्रवक्ता मेजर एम्मा थॉमप्सन ने कहा कि उनके पास कोई अपडेट नहीं है। उन्होंने दोहराया कि घायल सैनिकों में से लगभग सभी इट्टरी पर लौट आए हैं। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि कितने सैनिक इतने गंभीर रूप से घायल हुए हैं कि उन्हें क्षेत्र से निकालने की आवश्यकता पड़ी है।

पाकिस्तान में अफगानों पर कार्रवाई तेज, यूएन ने की जबरन निर्वासन रोकने की अपील

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान ने अफगान प्रवासियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सरकार की ओर से बिना दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए दी गई समय-सीमा खत्म होने के बाद अफगान नागरिकों की गिरफ्तारियां और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, दस जुलाई की समय-सीमा खत्म होने के बाद, जिन अफगानों के पास वैध वीजा नहीं है, उन्हें स्वेच्छा से पाकिस्तान छोड़ने के लिए कहा गया था। इसके बाद अब उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है।

इन अफगानों पर होगी कार्रवाई : अमु टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में रह रहे अफगानों का कहना है कि अधिकारी अब सिर्फ बिना दस्तावेज वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि उन अफगानों की भी हिरासत में ले रहे हैं जिनके वीजा या अफगान सिटीजन कार्ड (एससीसी) की अवधि खत्म हो चुकी है। पाकिस्तानी अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा, बलुचिस्तान, गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चलाया जा रहा है।

24 घंटे में 4,000 से ज्यादा लोगों को भेजा वापस : पाकिस्तान सरकार के अनुसार, अफगान सिटीजन कार्ड और दूसरे अस्थायी दस्तावेज रखने वाले लोगों को भी देश से वापस भेजा जा सकता है। तालिबान हाई कमीशन फॉर एड्युसिंग रिटर्नीज इश्यूज के सेक्रेटरीएट ने कहा कि पिछले



सप्ताहांत 24 घंटे के अंदर 4,000 से ज्यादा अफगानों को पाकिस्तान से वापस भेजा गया। पाकिस्तान में रह रहे एक अफगान प्रवासी ने बताया कि कई परिवार अपने वीजा का नवीनीकरण नहीं करा पाए हैं। लगभग एक साल से वीजा मिलना था। बह्वाना बहुत मुश्किल हो गया है। अगर हमें गिरफ्तार करके वापस भेज दिया गया, तो हम सभी जानते हैं कि अफगानिस्तान में हलात कैसे हैं। हमें तालिबान से बदले की कार्रवाई का डर है। अमु टीवी की रिपोर्ट में बताया गया कि पाकिस्तान में रहने वाले एक अफगान प्रवासी के अनुसार, सरकार के इस नए आदेश से अफगान परिवारों में काफी डर और चिंता फैल गई है। पाकिस्तानी मीडिया के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 के अंत में पाकिस्तान की वापसी अभियान शुरू होने के बाद से अब तक करीब 25.9 लाख अफगान प्रवासियों और शरणार्थियों को वापस भेजा जा चुका है। पाकिस्तान में रहने वाली एक अफगान पत्रकार ने कहा कि 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद जो लोग पाकिस्तान आए थे, जो लोग 2021 के बाद पाकिस्तान में पनाह लेने आए, वे शरणार्थी हैं, सिर्फ प्रवासी हैं। उन्हें अफगानिस्तान वापस भेजना उनकी जान के लिए खतरा बन सकता है।

ब्रिटेन में मंदिर की जगह मुरिलमों को बेचने पर विवाद, हिंदू समाज ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई; नीलामी की प्रक्रिया गलत होने का आरोप



किसी भी कदम से रोक दिया था। अब न्यायिक समीक्षा में यह जांच हो रही है कि फैसला लेने की प्रक्रिया कानून के मुताबिक थी या नहीं। मंदिर प्रबंधन ने साफ किया है कि उसका विरोध मुस्लिम संस्था से नहीं, बल्कि कार्डसिल के फैसले और प्रक्रिया से है। अब कोर्ट जांच करेगा कि संपत्ति बेचने का फैसला कानून और सामानता के नियमों के मुताबिक लिया गया था या नहीं। मंदिर बंद होने से 56 किमी दूर जाने को मजबूर होंगे हिंदू :

नहीं है। यहां की कार्डसिलें बढ़ते खर्च व कम सरकारी मदद के कारण सामाजिक परिसर, स्पोर्ट्स सेंटर व कम्युनिटी भवन बेचकर बजट संभाल रही हैं। 2025 के ‘की सिटीज’ सर्वे में 60% कार्डसिलों ने संपत्ति बिक्री को घाटा भरने का रास्ता बताया। बर्मिंघम को 24-25 का बजट संतुलित करने के लिए 2,883 करोड़ रु. की संपत्तियां बेचने का लक्ष्य रखना पड़ा। नॉटिंगहम को 25-26 घाटा 267 करोड़ और चार वर्षों का कुल अनुमानित अंतर 689 करोड़ रु. था। नीलामी में खामियां, समीक्षा बिना मंजूरी दी गई : भारत हिंदू समाज का आरोप है कि बिक्री के दौरान दोनों पक्षों की बोलियों का ठीक मूल्यांकन नहीं हुआ। अदालत में संगठन ने कहा कि कार्डसिल ने जांच और स्कोरिंग में गलतियां कीं। इसके बाद कार्डसिल सदस्यों ने उन्हीं सिफारिशों को पड़ताल के बिना स्वीकार कर लिया।

बवाल में बालेन: जेन ज़ेड ने बनाया, कहीं वही गिरा ना दे नेपाल की सरकार; क्यों सड़कों पर उतरे युवा



काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बालेन शाह ने अभी कुछ महीने पहले ही प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है और उनकी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। केपी शर्मा ओली की सरकार के खिलाफ जेन ज़ेड ने ही जबरदस्त विरोध किया और फिर सरकार ही गिर गई। इसके बाद बालेन शाह ने नेतृत्व में नई सरकार बनी। हालांकि अब युवा बालेन शाह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और सड़कों पर उतर चुके हैं। नेपाल की सरकार ने काठमांडू में नदी किनारे बनी अवैध बस्तियों को हटाने का फैसला किया है। इसके विरोध में एक शख्स ने आत्मदाह कर लिया और उसकी मौत हो गई।

जिन लोगों ने बनवाई सरकार, उनको ही लगी हथकड़ी : अभी बालेन शाह की सरकार को 104 दिन ही बीते हैं। विरोध प्रदर्शनों को रोकवाने के लिए पुलिस ने लोगों को हिरासत में लेना शुरू किया। कई ऐसे नेताओं की हिरासत में लिया गया है जो कि जेन ज़ेड आंदोलन के मुख्य चेहरे रहे हैं और बालेन शाह की सरकार बनवाने में उनकी प्रमुख भूमिका थी। आंदोलन के प्रमुख चेहरों में रहे माजिद अंसारी को पुलिस की कार्रवाई में चोटें आई हैं और उनका

इलाज चल रहा है। बालेन शाह ने काठमांडू में नदी किनारे बनी अवैध बस्तियों को हटाने का अभियान चला दिया है और पुलिस और सेना की तैनाती कर दी है। ऐसे में बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। नेपाल की सरकार ने उनको बसाने का भी कोई प्लान नहीं बनाया है। ऐसे में लोगों का कहना है कि पहले इन लोगों के रहने का इंतजाम करना चाहिए था। बेदखली अभियान के तहत हजारों घर तोड़े गए हैं। इसी वजह से लोग सरकार से मांग कर रहे थे कि जिन के घर उजाड़े जा रहे हैं उन्हें फिर से बसाया जाए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ना सिर्फ उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है बल्कि पुलिस की हिरासत में बुरी तरह प्रताड़ित किया जाता है। नेपाल की सरकार ने इन प्रदर्शनों की अगुआई कर रहे माजिद अंसारी और सरिसमा थापा को हिरासत में ले लिया। इसके बाद लोगों का रोष और भी बढ़ गया। बालेन शाह काठमांडू के मेयर भी रह चुके हैं। तभी से उनको निगाह में यह काम चढ़ा हुआ था।

रोहित-विराट
दोनों फ्लॉप

पहले वनडे में 'RoKo' फैस निराश

केएल राहुल का शानदार कैच

बल्लेबाज भी हुआ हैरान

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों खराब काम नहीं कर पाए। रोहित 21 गेंद पर 11 और विराट 6 गेंद पर 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे। लिहाजा इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज के पहले मैच में रोको फैस को निराश लौटना पड़ा। इतना ही नहीं कुछ ऐसे आंकड़े और कमजोरियां भी दोनों खिलाड़ियों की सामने आईं जिससे टीम इंडिया की टेंशन भी बढ़ गई।

रोहित शर्मा का वनडे वर्ल्ड कप 2023 से चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक पहले 10 ओवर में स्ट्राइक रेट



122.56 और औसत 67.41 का था। मगर अक्टूबर 2025 से अब तक रोहित का स्ट्राइक रेट पहले 10 ओवर में गिरकर 86.12 का हो गया है और औसत भी कम होकर 44.50 हो गया है। दूसरी ओर विराट कोहली की बात करें तो लंबे समय बाद वह भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने उतरे। अफगानिस्तान सीरीज में वह टीम का हिस्सा नहीं थे और इंजरी के कारण बाहर थे।

टीम इंडिया के लिए
क्यों बढ़ी चिंता?

इंग्लैंड दौरे पर विराट कोहली का भी आगाज अच्छा नहीं रहा। वह जोफ्रा आर्चर की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। जनवरी 2023 से अब तक यह चौथा मौका था जब पेस बॉलर के खिलाफ विराट पगबाधा आउट हुए। जबकि उससे पहले 10 साल में वह सिर्फ एक बार ही तेज गेंदबाज के सामने इस तरह आउट हुए थे। यह रोहित और विराट के आंकड़े अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों के लिहाज से टीम इंडिया की टेंशन बढ़ा सकते हैं।



ओवर के स्पेल में 21 रन दिए और एक विकेट लिया। उन्होंने खतरनाक दिख रहे विल जैक्स को पवेलियन भेजा। केएल राहुल ने विकेट के पीछे अपनी दाईं ओर डाइव लगाते हुए बेहतरीन कैच लपका। जैक्स 19 गेंद पर 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

पीवी सिंधु की
दमदार जीत

सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी-चिराग शेटी
ने बीच में छोड़ा मैच, कोच ने चीन ओपन
से भी हटने की पुष्टि की

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के लिए मंगलवार 14 जुलाई 2026 का दिन मिला-जुला रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को सीधे गेमों में हराकर महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। मिक्स्ट डबल्स में ध्रुव कपिला-तनीषा क्रान्स्टो की जोड़ी ने सीधे गेमों में जीत हासिल करके दूसरे राउंड में जगह बनाई।

शुरुआत से ही
बनाया दबदबा

पीवी सिंधु ने शुरुआत से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और रैलियों की गति को नियंत्रित करते हुए 7-4 की बढ़त हासिल की। हालांकि, वोंग ने संघर्ष जारी रखने की कोशिश की, लेकिन उनकी गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को लगातार आगे बढ़ने का मौका दिया। पीवी सिंधु ने इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी रैलियों में सहज दिख रही थीं और उन्होंने अपने स्ट्रोक को प्रभावी ढंग से लगाकर अपनी बढ़त को 14-9 तक पहुंचा दिया। उनके बैकहैंड नेट ड्रिबल, ड्रॉप शॉट और हाफ-स्मैश सटीक रहे। एक सीधे शॉट से पीवी सिंधु को सात गेम पॉइंट मिले और उन्होंने पहला गेम अपने नाम कर लिया। पीवी सिंधु ने दूसरे गेम में भी शुरू से आक्रामक रवैया अपनाया और मलेशिया की खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही 8-2 की बढ़त हासिल की। पीवी सिंधु इंटरवल तक 11-3 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने बड़ा अंतर बनाए रखा और फिर 10 गेम पॉइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे मैच पॉइंट पर मैच अपने नाम किया।

वहीं, पुरुष युगल में सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेटी की विश्व नंबर चार जोड़ी सात्विक के कंधे की चोट के कारण पहला गेम हारने के बाद मुकाबले से हट गई। चोट की वजह से भारतीय जोड़ी अगले सप्ताह होने वाले चीन ओपन में भी हिस्सा नहीं लेगी और अब उसका पूरा ध्यान विश्व चैंपियनशिप से पहले फिटनेस हासिल करने पर रहेगा।

सात्विक को लगेगा चोट
से उबरने में समय

टैम किम हर ने कहा, 'सात्विक को ठीक होने में अभी कुछ समय लगेगा। विश्व चैंपियनशिप से पहले हमें कम से कम 4 सप्ताह का समय मिलेगा, जिससे हम पुरानी लय हासिल कर सकते हैं।' इससे पहले विश्व रैंकिंग में नंबर 10 पर काबिज पीवी सिंधु ने अपने सहज खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले दौर में विश्व रैंकिंग में नंबर 37 पर काबिज वोंग को हराया।

स्पेन ने फ्रांस
को हराया

● 16 साल बाद फाइनल में बनाई
जगह; एम्बाप्पे के खिलाफ यामाल
का रिकॉर्ड कायम

नई दिल्ली। स्पेन ने साबित कर दिया है कि वे फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सबसे मजबूत टीमों में से एक क्यों हैं। स्पेन ने डलास स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में मजबूत फ्रांस को 2-0 हराकर फाइनल में जगह बनाई। लुइस डे ला फुएते की कप्तानी में स्पेनिस टीम के इस बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के साथ ही वे 96 सालों में दूसरी और 44 सालों में पहली ऐसी टीम बन गई हैं जिसने वर्ल्ड कप में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की।

दूसरी बार फाइनल में पहुंचा स्पेन



स्पेन ने यूरो 2024 जीता और मौजूदा यूरोपियन चैंपियन के तौर पर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंच गया। जब वे पिछली बार 2010 में फाइनल में पहुंचे थे जिसे उन्होंने जीता था तब स्पेन मौजूदा यूरो चैंपियन भी था जिसने 2010 में ट्रॉफी जीती थी। अब स्पेन मौजूदा यूरो चैंपियन के तौर पर दो फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई है। वेस्ट जर्मनी ऐसा करने वाली पहली टीम थी और उसने साल 1972 और 1980 के यूरो चैंपियन के तौर पर 1974 और 1982 के फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। अगर स्पेन यह टूर्नामेंट जीतता है, तो वह मौजूदा यूरो चैंपियन के तौर पर दो फीफा वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। जर्मनी ने 1972 के यूरो चैंपियन के तौर पर 1974 का टूर्नामेंट जीता था।

● स्पेन को 2-0 से मिली जीत, मिकेल-पोरो ने किए गोल-सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन ने फ्रांस पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा फ्रांस टूर्नामेंट में सबसे खतरनाक अटैक करने वाली टीम के तौर पर फाइनल में पहुंचा था और उसने 16 गोल किए थे। हालांकि स्पेन की डिफेंसिव ताकत इतनी जबरदस्त थी कि उन्होंने मैच पर पूरी तरह कब्जा जमाए रखा और फ्रांस को गोल करने का कोई मौका तक नहीं दिया। मिकेल ओयारजाबल ने 22वें मिनट में पेनल्टी से स्पेन के लिए पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में पेद्रो पोरो ने गोल करके मैच का नतीजा तय कर दिया।

पहले दौर के नतीजे

- विमेंस सिगल्स : पीवी सिंधु ने वोंग लिंग चिंग (मलेशिया) को 21-14, 21-11 से हराया।
- मिक्स्ट डबल्स : ध्रुव कपिला/तनीषा क्रान्स्टो ने अलेक्जेंडर डन/जूली मैकफर्सन (स्कॉटलैंड) को 21-16, 21-14 से हराया।
- मिक्स्ट डबल्स : फेंग यान झो/हुआंग डोंग पिंग (चीन) ने रोहन कपूर/रुतविका शिवानी गढ़े को 21-11, 21-10 से हराया।
- मेन्स डबल्स : सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी/चिराग शेटी को डैनियल लुंडगार्ड/मैडस वेस्टरगार्ड (डेनमार्क) के खिलाफ रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा।

● बर्मिंघम में 12 साल बाद जीता भारत ● सीरीज में 1-0 से आगे टीम इंडिया

अक्षर पटेल ने गेंद और बल्ले से किया कमाल



12 साल बाद बर्मिंघम में जीत

भारत ने इंग्लैंड में इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 46 वनडे मैच खेले हैं। इंग्लैंड की सरजमीं पर भारत को यह 19वीं जीत मिली है। जबकि इंग्लैंड की टीम ने 23 मैच भारत के खिलाफ अपने घर पर जीते हैं। भारत की बर्मिंघम में आखिरी जीत 2014 में अंग्रेज टीम के खिलाफ आई थी। इस मैदान पर इंग्लैंड की भी यह आखिरी हार थी। उसके बाद से यहां इंग्लैंड लगातार सात वनडे मैच जीता था। अब फिर से भारत ने इंग्लैंड को यहां हराया है। भारतीय टीम से विदा होना चाहता है गंभीर का साथी, इष्टष्टु को दे चुका है जानकारी भारत ने 2014 से 2026 के बीच यहां एक भी मैच नहीं जीता था।

80 रन बनाकर हुए
रिटायर्ड हर्ट

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। 48 रन पर दो विकेट के बाद उन्होंने उपकप्तान श्रेयस अय्यर के साथ पारी को संभाला और शतकीय साझेदारी पूरी की।

75 गेंद पर गिल 80 रन बना चुके थे लेकिन अचानक उन्हें मैच के बीच ही मैदान से बाहर रिटायर्ड हर्ट होकर जाना पड़ा। उनके वापस लौटने से भारत को बड़ा झटका लगा। मैच के पहले ओवर से बेहतरीन लय में नजर आ रहे कप्तान शुभमन गिल का रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौटना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है।



शुभमन गिल को क्या हुआ?

शुभमन गिल पिछले 2,3 ओवर से लगातार लंगड़ाते दिख रहे थे। उन्होंने एक स्वीप शॉट लगाने का प्रयास किया था, जिसके बाद उन्हें खिंचाव महसूस हुआ। वह दिक्कत में भी दिखे और फिर फिजियो मैदान पर आए। काफी देर इलाज के बाद फैसला लिया गया कि वह बल्लेबाजी नहीं कर पाएंगे। इसके बाद वह रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे। वह वापस बल्लेबाजी करने उतर पाएंगे या नहीं इस पर नए अपडेट का इंतजार है।

968 दिन बाद लौटे
बुमराह का कमाल

● जडेजा और अगरकर को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटते ही कमाल कर दिया। पहले 4 ओवर में सिर्फ 8 रन और फिर पांचवें ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक का विकेट लेते ही उन्होंने दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। उन्होंने इस विकेट के साथ वनडे इंटरनेशनल में अपने 150 विकेट पूरे किए। साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बने। जसप्रीत बुमराह ने अपने 90वें मैच और 89वीं पारी में 150वां विकेट लिया और सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बने। जबकि इंग्लैंड में उनका यह 31वां वनडे विकेट था। रविंद्र जडेजा (30) को पीछे छोड़ते हुए इस मामले में बुमराह नंबर 1 भारतीय गेंदबाज बने। भारत के लिए सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने का रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम है। कुलदीप यादव इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। सबसे कम गेंदों के लिहाज से भी बुमराह सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय हैं।

भारत के लिए सबसे तेज 150 ODI

विकेट लेने वाले गेंदबाज

- मोहम्मद शमी: 80वां मैच
- कुलदीप यादव: 88वां मैच
- जसप्रीत बुमराह: 90वां मैच
- अजीत अगरकर: 97वां मैच
- जहीर खान: 103वां मैच

सबसे कम गेंदों पर 150 ODI

विकेट लेने वाले भारतीय

- 4070 गेंद: मोहम्मद शमी
- 4513 गेंद: कुलदीप यादव
- 4605 गेंद: जसप्रीत बुमराह
- 5027 गेंद: अजीत अगरकर
- 5131 गेंद: इरफान पठान

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा ODI विकेट
लेने वाले भारतीय गेंदबाज

- 31 विकेट: जसप्रीत बुमराह*
- 30 विकेट: रविंद्र जडेजा
- 28 विकेट: भुवनेश्वर कुमार
- 27 विकेट: मदन लाल
- 26 विकेट: मोहम्मद शमी

968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटे

जसप्रीत बुमराह ने भारत के लिए अपना इससे पहले वनडे इंटरनेशनल मैच 19 नवंबर 2023 को खेला था। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरने के बाद अब बुमराह की वनडे टीम में वापसी हुई। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में वह इंजरी के कारण खेल नहीं पाए थे। ऐसे में अब 968 दिन बाद 14 जुलाई 2026 को लौटते ही बुमराह ने दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कर लीं। बुमराह ने अपने पहले पांच ओवर में सिर्फ 9 रन दिए और एक विकेट हैरी ब्रूक का झटका। उन्होंने 2016 में अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया था।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में प्रभु श्रीराम की 81 फीट ऊंची मूर्ति बनवा रहा युवक गिरफ्तार, धन शोधन का लगा आरोप

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में प्रभु श्रीराम की 81 फीट ऊंची मूर्ति का निर्माण करवा रहे हरि दास तारानी को पुलिस ने धन शोधन के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया। हरि दास की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब कट्टरपंथियों द्वारा प्रभु श्रीराम की तस्वीर को अपमानित करने के विरोध में अल्पसंख्यक समुदाय देशव्यापी प्रदर्शन कर रहा है। बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद के महासचिव मनिंद्र कुमार नाथ ने हरि दास तारानी की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने खास कहा, मैंने अभी गाइबांधा के पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात की। उन्होंने बताया कि हरि दास को धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश सीआईडी ने हरि दास को ढाका के उत्तरा इलाके से गिरफ्तार किया है। इससे पहले भारत ने 23 जून को बांग्लादेश से कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई शुरू करने और अल्पसंख्यक समुदायों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने का पुरजोर आग्रह किया था। बांग्लादेश की सरकार ने कट्टरपंथियों के दबाव में गाइबांधा जिले के पलाशाबाड़ी उपजिला में श्रीश्री राधा गोविंद और काली मंदिर में हो रहे भगवान श्रीराम की दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति के निर्माण को रुकवा दिया है। काले पत्थर से बनाई जा रही इस विशाल मूर्ति की अनुमानित लागत 17 करोड़ भारतीय रुपये है। रामचंद्रपुर गांव में स्थित इस धार्मिक परिसर में कुल 144 देवी-देवताओं की भव्य प्रतिमाएं स्थापित करने की योजना है।

पाकिस्तान में बैंक लूट के दौरान गोलीबारी में हिंदू डॉक्टर की मौत, जांच जारी

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सोमवार को 28 वर्षीय हिंदू डॉक्टर की लूटपाट के दौरान हत्या कर दी गई। यह घटना कराची के पोश विलफ्टन इलाके में हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एएसएसपी मेहरोज अली ने बताया कि आकाश चंद की मौत उस समय हुई, जब एक निजी बैंक के बाहर लुटेरों और बैंक के सुरक्षा गार्ड के बीच गोलीबारी हुई। अली ने बताया कि चंद अपने पिता और चचेरे भाई के साथ दूसरे बैंक से 50 लाख पाकिस्तानी रुपये निकालकर लाए थे। उन्हें यह रकम दूसरे बैंक में जमा करनी थी। वे 25-25 लाख रुपये के दो पैकेट लेकर जा रहे थे। अली ने बताया, जैसे ही उनकी कार बैंक के बाहर रुकी। उनके पीछे एक दूसरी कार आकर रुकी। उसमें सवार लोगों ने पैसे हट्टने की कोशिश की। तभी बैंक के दरवाजे पर तैनात सुरक्षा गार्ड ने गोली चला दी। लुटेरों ने भी जवाबी गोलीबारी की, जिसमें चंद की मौत हो गई। लुटेरों 25 लाख रुपये का एक पैकेट लेकर फरार हो गए। अली ने बताया, हम इस मामले की जांच कर रहे हैं कि क्या यह अंदर के किसी व्यक्ति की मिलीभगत से किया गया था। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि चंद की मौत किसकी गोली से हुई। शुरुआत में सुरक्षा गार्ड को लगा था कि जिस कार से परिवार आया था, वह भी लुटेरों के साथ शामिल हो सकती है।

भारत-ईयू एफटीए से बढ़ेंगे सहयोग के अवसर, जर्मनी के सांसदों से राजदूत गुप्ते की अहम बातचीत

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते और जर्मन संसद (बुंडेस्टाग) के सदस्य व भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डॉक वीजे ने दोनों देशों के बीच बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, ‘राजदूत अजीत गुप्ते ने दस जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डॉक वीजे से मुलाकात की। इस दौरान भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, संसदों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने और भारत के राज्यों तथा जर्मनी के संघीय राज्यों (लैंडर) के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।’ राजदूत अजीत गुप्ते ने बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मैटिन हक्वेर्डी से भी मुलाकात की। इस बैठक में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से मिलने वाले अवसरों पर चर्चा हुई। दूतावास ने ‘एक्स’ पर बताया, ‘राजदूत अजीत गुप्ते ने 9 जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मैटिन हक्वेर्डी से मुलाकात की। बातचीत में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, भारत-ईयू एफटीए के अवसरों का इस्तेमाल करने, बढ़ते रक्षा और सुरक्षा सहयोग तथा वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई।’ पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के एविया में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रैंज़िस्क मर्ज़ से मुलाकात की थी। वदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-जर्मनी संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और भारत की यात्रा तथा इस साल की शुरुआत में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत पूरी होने के बाद रणनीतिक साझेदारी में आई नई गति पर संतोष जताया।

अरब सागर में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में अमेरिकी पायलट की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अरब सागर में जुलाई की शुरुआत में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में नौसेना के एक पायलट की मौत हो गई। अब ईरान युद्ध में मरने वाले अमेरिकी सैन्य कर्मियों की आधिकारिक संख्या बढ़कर 14 हो गई है। सोमवार तक संघर्ष में घायल सैनिकों की संख्या भी बढ़कर 400 से अधिक हो गई है। नौसेना ने क्या बताया : अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम होकिन्स ने बताया कि उनमें से अधिकांश को मस्तिष्क में गंभीर चोटें आई हैं। नौसेना ने शुरू में 1 जुलाई की दुर्घटना को आपातकालीन लैंडिंग बताया और कहा कि ‘इस बात का कोई संकेत नहीं है कि आपत स्थिति शत्रुतापूर्ण कार्रवाई के कारण हुई थी। दुर्घटना के तुरंत बाद हेलीकॉप्टर में सवार बाकी तीन नाविकों को बचा लिया गया। पेंटागन के युद्ध हाताहतों की गिनती में

होर्मुज में ईरान के मिसाइल हमले में भारतीय नाविक की मौत, यूएई के तेल टैंकरों को बनाया निशाना; 8 घायल

तेहरान, एजेंसी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान की ओर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तेल टैंकरों पर किए गए भीषण मिसाइल हमले ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सनसनी फैला दी है। इस हमले में न केवल संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है, बल्कि एक भारतीय नाविक ने अपनी जान भी गंवाई है। ईरान के हमले में 8 लोग घायल : जानकारी के मुताबिक, ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे संयुक्त अरब अमीरात के झंडे वाले दो तेल टैंकरों को निशाना बनाया। इन जहाजों पर ईरानी सेना ने सीधी मिसाइलें दागीं। यूएई की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर इस हमले की पुष्टि की गई है। इस अचानक हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है, जबकि चालक दल के आठ अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। जहाज से 20 प्रतिशत टोल : ईरान का यह हमला उस समय हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज क्षेत्र के लिए एक बेहद विवादित और बड़ी घोषणा की है। ट्रंप ने खुद को ‘होर्मुज का गार्जियन’ घोषित करते हुए ऐलान किया है कि अब इस रास्ते से गुजरने वाले हर जहाज से 20 प्रतिशत टोल वसूला जाएगा। ट्रंप का तर्क है कि चूंकि अमेरिकी नौसेना इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को सुरक्षा प्रदान कर रही है, इसलिए उसे इस सेवा के बदले टैक्स मिलना चाहिए। होर्मुज बंद होने से बढ़ा तनाव :

एपल के मुकदमे के बीच फिर भिड़े मस्क-ऑल्टमैनट्रेड, दोनों के बीच हुई तीखी बयानबाजी



वाशिंगटन, एजेंसी। एआई उद्योग की दो बड़ी हस्तियों एलन मस्क और ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद फिर खुलकर सामने आ गया है। एपल द्वारा ओपनएआई के खिलाफ कथित ट्रेड सीक्रेट चोरी का मुकदमा दायर किए जाने के बाद दोनों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक-दूसरे पर तीखे व्यक्तिगत हमले किए। घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नई तकनीकों, निवेश और बाजार पर चर्चस्व की होड़ लगातार तेज होती जा रही है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार एपल के मुकदमे की खबर सामने आने के बाद

एलन मस्क ने एक्स पर सैम ऑल्टमैन को निशाने पर लेते हुए कई पोस्ट किए। उन्होंने ऑल्टमैन पर कटाक्ष करते हुए उन्हें धोखाधड़ी से जोड़ने वाली टिप्पणियां कीं और लगातार कई पोस्ट के जरिए उन पर हमला बोला। कुछ ही देर बाद ऑल्टमैन ने भी जवाब देते हुए मस्क के दावों और उनके व्यवहार पर तंज कसा। एलन मस्क और सैम ऑल्टमैन ने वर्ष 2015 में अन्य वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ मिलकर ओपनएआई की स्थापना एक गैर-लाभकारी शोध संस्था के रूप में की थी। उद्देश्य सुरक्षित और मानव हित में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास करना था।

सऊदी अरब ने सना एयरपोर्ट पर बरसाई मिसाइलें, ट्रंप के समर्थन के बाद हतियारों से सीधी भिड़ंत

सना, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में तनाव अब केवल होर्मुज तक सीमित नहीं रह गया है। खाड़ी क्षेत्र में एक नया और विनाशकारी मोर्चा खुल गया है, जहां सऊदी अरब और यमन के ईरान समर्थित हथी पर विद्रोही एक-दूसरे पर मिसाइलें बरसा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब ने यमन की राजधानी सना के हवाई अड्डे को निशाना बनाया है, जिससे पूरे क्षेत्र में युद्ध की लपटें तेज हो गई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, साल 2022 के बाद दोनों पक्षों के बीच यह सबसे गंभीर सैन्य टकराव है, जो लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष विराम के पूरी तरह टूटने का संकेत है।

सना एयरपोर्ट पर हमला : यह भीषण हमला उस वक़्त हुआ जब ईरान की ‘माहान एयरलाइंस’ का एक विमान सना एयरपोर्ट पर लैंड करने की कोशिश कर रहा था। सऊदी अरब ने हवाई पट्टी पर मिसाइलें दागकर विमान की लैंडिंग को रोकने का प्रयास किया। गौरतलब है कि यह उड़ान एक दशक से अधिक समय बाद तेहरान से सना के बीच संचालित की गई थी, जिसमें हतियारों का एक उच्च स्तरीय डेलीवेशन सवार था, जो ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहा था। सऊदी अरब को संदेह है कि ऐसी उड़ानों के जरिए ईरान

हतियारों तक हथियार और सैन्य सलाहकार पहुंचा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप का सऊदी को खुला समर्थन : इस सैन्य कार्रवाई के पीछे कूटनीतिक हलचल भी तेज है। अमेरिकी समाचार वेबसाइट ‘एक्सियोस’ की रिपोर्ट के अनुसार, हमले से पहले सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर विस्तार से चर्चा की थी। बताया जा रहा है कि क्राउन प्रिंस ने हतियारों के खिलाफ इस बड़ी कार्रवाई के लिए अमेरिका से सैन्य और कूटनीतिक समर्थन मांगा था, जिसे ट्रंप ने स्वीकार कर लिया। अमेरिका ने बताया है कि वह अपने

सहयोगी सऊदी अरब के साथ खड़ा है, जिससे सऊदी के हौसले बुलंद हैं। हतियारों ने किया पलटवार : सऊदी के मिसाइल हमले के जवाब में हतियारों ने भी चुप बैठने के बजाय आक्रामक रुख अपनाया है। हतियारों ने सऊदी अरब के विभिन्न ठिकानों पर जवाबी मिसाइलें दागीं और चेतावनी दी है कि यदि उनके विमानों को रोका गया, तो वे सऊदी अरब के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। हतियारों का आरोप है कि सऊदी अरब नागरिक उड़ानों को बाधित कर अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है।

विस्फोटों का सामना करने वाले बलों के बीच एक बढ़ती हुई समस्या है। हालांकि इस चोट के साथ ही साथ पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, 9/11 के बाद के युग के दिग्गजों के बीच प्रमुख घावों में से एक बन गई है, लेकिन सैनिकों पर इसका प्रभाव, विशेष रूप से दीर्घकालिक, अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है। घायल सैनिकों के नए आंकड़ों के बारे में क्या बताया? सोमवार को गंभीर रूप से घायल सैनिकों के नवीनतम आंकड़ों के बारे में पूछे जाने पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की प्रवक्ता मेजर एम्मा थॉमप्सन ने कहा कि उनके पास कोई अपडेट नहीं है। उन्होंने दोहराया कि घायल सैनिकों में से लगभग सभी इतरी पर लौट आए हैं। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि कितने सैनिक इतने गंभीर रूप से घायल हुए हैं कि उन्हें क्षेत्र से निकालने की आवश्यकता पड़ी है।

दी। लेकिन युद्ध में होने वाली अधिकांश चोटों का कारण बनने वाली मस्तिष्क की गंभीर चोटें, लड़ाकू बलों, विशेष रूप से मिसाइल हमलों और पास में होने वाले

विस्फोटों का सामना करने वाले बलों के बीच एक बढ़ती हुई समस्या है। हालांकि इस चोट के साथ ही साथ पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, 9/11 के बाद के युग के दिग्गजों के बीच प्रमुख घावों में से एक बन गई है, लेकिन सैनिकों पर इसका प्रभाव, विशेष रूप से दीर्घकालिक, अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है। घायल सैनिकों के नए आंकड़ों के बारे में क्या बताया? सोमवार को गंभीर रूप से घायल सैनिकों के नवीनतम आंकड़ों के बारे में पूछे जाने पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की प्रवक्ता मेजर एम्मा थॉमप्सन ने कहा कि उनके पास कोई अपडेट नहीं है। उन्होंने दोहराया कि घायल सैनिकों में से लगभग सभी इतरी पर लौट आए हैं। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि कितने सैनिक इतने गंभीर रूप से घायल हुए हैं कि उन्हें क्षेत्र से निकालने की आवश्यकता पड़ी है।

पाकिस्तान में अफगानों पर कार्रवाई तेज, यूएन ने की जबरन निर्वासन रोकने की अपील

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान ने अफगान प्रवासियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सरकार की ओर से बिना दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए दी गई समय-सीमा खत्म होने के बाद अफगान नागरिकों की गिरफ्तारियां और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, दस जुलाई की समय-सीमा खत्म होने के बाद, जिन अफगानों के पास वैध वीजा नहीं है, उन्हें स्वेच्छा से पाकिस्तान छोड़ने के लिए कहा गया था। इसके बाद अब उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है।



इन अफगानों पर होगी कार्रवाई : अमु टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में रह रहे अफगानों का कहना है कि अधिकारी अब सिर्फ बिना दस्तावेज वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि उन अफगानों की भी हिरासत में ले रहे हैं जिनके वीजा या अफगान सिटीजन कार्ड (एससीसी) की अवधि खत्म हो चुकी है। पाकिस्तानी अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा, बलुचिस्तान, गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चलाया जा रहा है। 24 घंटे में 4,000 से ज्यादा लोगों को भेजा वापस : पाकिस्तान सरकार के अनुसार, अफगान सिटीजन कार्ड और दूसरे अस्थायी दस्तावेज रखने वाले लोगों को भी देश से वापस भेजा जा सकता है। तालिबान हाई कमीशन फॉर एड्युसिंग रिटर्नीज इश्यूज के सेक्रेटरीएट ने कहा कि पिछले

सप्ताहांत 24 घंटे के अंदर 4,000 से ज्यादा अफगानों को पाकिस्तान से वापस भेजा गया। पाकिस्तान में रह रहे एक अफगान प्रवासी ने बताया कि कई परिवार अपने वीजा का नवीनीकरण नहीं करा पाए हैं। लगभग एक साल से वीजा मिलना था। बह्वाना बहुत मुश्किल हो गया है। अगर हमें गिरफ्तार करके वापस भेज दिया गया, तो हम सभी जानते हैं कि अफगानिस्तान में हालात कैसे हैं। हमें तालिबान से बदले की कार्रवाई का डर है। अमु टीवी की रिपोर्ट में बताया गया कि पाकिस्तान में रहने वाले एक अफगान प्रवासी के अनुसार, सरकार के इस नए आदेश से अफगान परिवारों में काफी डर और चिंता फैल गई है। पाकिस्तानी मीडिया के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 के अंत में पाकिस्तान की वापसी अभियान शुरू होने के बाद से अब तक करीब 25.9 लाख अफगान प्रवासियों और शरणार्थियों को वापस भेजा जा चुका है। पाकिस्तान में रहने वाली एक अफगान पत्रकार ने कहा कि 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद जो लोग पाकिस्तान आए थे, जो लोग 2021 के बाद पाकिस्तान में पनाह लेने आए, वे शरणार्थी हैं, सिर्फ प्रवासी नहीं। उन्हें अफगानिस्तान वापस भेजना उनकी जान के लिए खतरा बन सकता है।

ब्रिटेन में मंदिर की जगह मुरिलमों को बेचने पर विवाद, हिंदू समाज ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई; नीलामी की प्रक्रिया गलत होने का आरोप



किसी भी कदम से रोक दिया था। अब न्यायिक समीक्षा में यह जांच हो रही है कि फैसला लेने की प्रक्रिया कानून के मुताबिक थी या नहीं। मंदिर प्रबंधन ने साफ किया है कि उसका विरोध मुस्लिम संस्था से नहीं, बल्कि कार्डसिल के फैसले और प्रक्रिया से है। अब कोर्ट जांच करेगा कि संपत्ति बेचने का फैसला कानून और सामानता के नियमों के मुताबिक लिया गया था या नहीं। मंदिर बंद होने से 56 किमी दूर जाने को मजबूर होंगे हिंदू :

नहीं है। यहां की कार्डसिलें बढ़ते खर्च व कम सरकारी मदद के कारण सामाजिक परिसर, स्पोर्ट्स सेंटर व कम्युनिटी भवन बेचकर बजट संभाल रही हैं। 2025 के ‘की सिटीज’ सर्वे में 60% कार्डसिलों ने संपत्ति बिक्री को घाटा भरने का रास्ता बताया। बर्मिंघम की 24-25 का बजट संतुलित करने के लिए 2,883 करोड़ रु. की संपत्तियां बेचने का लक्ष्य रखना पड़ा। नॉटिंगहम का 25-26 घाटा 267 करोड़ और चार वर्षों का कुल अनुमानित अंतर 689 करोड़ रु. था। नीलामी में खामियां, समीक्षा बिना मंजूरी दी गई : भारत हिंदू समाज का आरोप है कि बिक्री के दौरान दोनों पक्षों की बोलियों का ठीक मूल्यांकन नहीं हुआ। अदालत में संगठन ने कहा कि कार्डसिल ने जांच और स्कोरिंग में गलतियां कीं। इसके बाद कार्डसिल सदस्यों ने उन्हीं सिफारिशों को पड़ताल के बिना स्वीकार कर लिया।

बवाल में बालेन: जेन ज़ेड ने बनाया, कहीं वही गिरा ना दे नेपाल की सरकार; क्यों सड़कों पर उतरे युवा



काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बालेन शाह ने अभी कुछ महीने पहले ही प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है और उनकी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। केपी शर्मा ओली की सरकार के खिलाफ जेन ज़ेड ने ही जबरदस्त विरोध किया और फिर सरकार ही गिर गई। इसके बाद बालेन शाह ने नेतृत्व में नई सरकार बनी। हालांकि अब युवा बालेन शाह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और सड़कों पर उतर चुके हैं। नेपाल की सरकार ने काठमांडू में नदी किनारे बनी अवैध बस्तियों को हटाने का फैसला किया है। इसके विरोध में एक शख्स ने आत्मदाह कर लिया और उसकी मौत हो गई।

जिन लोगों ने बनवाई सरकार, उनको ही लगी हथकड़ी : अभी बालेन शाह की सरकार को 104 दिन ही बीते हैं। विरोध प्रदर्शनों को रोकवाने के लिए पुलिस ने लोगों को हिरासत में लेना शुरू किया। कई ऐसे नेताओं की हिरासत में लिया गया है जो कि जेन ज़ेड आंदोलन के मुख्य चेहरे रहे हैं और बालेन शाह की सरकार बनवाने में उनकी प्रमुख भूमिका थी। आंदोलन के प्रमुख चेहरों में रहे माजिद अंसारी को पुलिस की कार्रवाई में चोटें आई हैं और उनका

इलाज चल रहा है। बालेन शाह ने काठमांडू में नदी किनारे बनी अवैध बस्तियों को हटाने की अभियान चला दिया है और पुलिस और सेना की तैनाती कर दी है। ऐसे में बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। नेपाल की सरकार ने उनको बसाने का भी कोई प्लान नहीं बनाया है। ऐसे में लोगों का कहना है कि पहले इन लोगों के रहने का इंतजाम करना चाहिए था। बेदखली अभियान के तहत हजारों घर तोड़े गए हैं। इसी वजह से लोग सरकार से मांग कर रहे थे कि जिन के घर उजाड़े जा रहे हैं उन्हें फिर से बसाया जाए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ना सिर्फ उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है बल्कि पुलिस की हिरासत में बुरी तरह प्रताड़ित किया जाता है। नेपाल की सरकार ने इन प्रदर्शनों की अगुआई कर रहे माजिद अंसारी और सरिसमा थापा को हिरासत में ले लिया। इसके बाद लोगों का रोष और भी बढ़ गया। बालेन शाह काठमांडू के मेयर भी रह चुके हैं। तभी से उनको निगाह में यह काम चढ़ा हुआ था।